

दिल्ली के रामलीला मैदान पर राहुल की ‘हठलीला’ के पीछे क्या इरादे?

एक नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में राहुल गांधी की ‘हठलीला’ के आखिर क्या मायने है? दीपावली के सप्ताह भर पहले वोट चोरी के कथित आरोपों पर दस लाख लोगों की रैली या मार्च आयोजित करने की जिद क्यों? क्या इसे दीपावली के बाद नहीं किया जा सकता, जैसा दिल्ली के व्यापारिक संगठनों ने कांग्रेस से अनुरोध किया है।

भाजपा ने भी याद दिलाया है कि 31 अक्टूबर को इंदिरा गांधी की हत्या के अगले दिन, एक नवंबर 1984 से दिल्ली सहित देश के कई हिस्सों में सिखों का नरसंहार शुरू हुआ था। इस दिन रैली सिख समुदाय के जख्मों पर नमक छिड़कने जैसा काम होगा। भाजपा की इस दलील को उसका सियासी दांव मान भी लें, तो क्या कांग्रेस जैसी देश की सबसे पुरानी पार्टी को इस संवेदनशीलता का ख्याल नहीं रखना चाहिए? फिजहाल ऐसा कोई चुनाव नहीं है, जिसके चलते इसी तारीख को रैली करना अनिवार्य

गृह मंत्री शाह की दुविधा भी लाजमी	सवाल कांग्रेस की जिम्मेदारी का
केंद्र सरकार की चिंता को भी समझना होगा। गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, पुलिस आयुक्त और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की है। इसे लेकर कांग्रेस तंज कस सकती है, लेकिन इतनी बड़ी भीड़ के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखना सरकार की जिम्मेदारी है। सवाल भारी भीड़ के बीच राहुल और प्रियंका की सुरक्षा का भी है। फिर राहुल गांधी पहले भी अचानक विरोध प्रदर्शन और प्रतिबंधित क्षेत्रों में प्रवेश जैसे कदम उठा चुके हैं। ऐसे में किसी अप्रत्याशित घटनाक्रम की आशंका को पूरी तरह खारिज नहीं किया जा सकता। यदि भीड़ बेकाबू हुई या पुलिस ने ज़रूरत से ज्यादा बल प्रयोग किया, तो राजनीतिक नुकसान सरकार को भी उठाना पड़ सकता है। राहुल गांधी खुद कह चुके हैं कि आंदोलन के लिए उनके दिमाग में पहले से कोई निश्चित योजना नहीं होती। यानी ऐन वक़्त पर जो सूझता है, वह कर डालते हैं। सुप्रीम कोर्ट और आकाशवाणी परिसर में घुसना या पीएम आवास पर धरना जैसे काम सुरक्षा एजेंसियों की चिंता का बड़ा विषय है।	कांग्रेस कोई आप या काफ़ीर या आइसा जैसी अराजकता में यकीन करने वाला संगठन नहीं है। इसलिए यह भी याद रखा जाएगा कि उनके हठीले मार्च के दौरान कोई उपद्रव होता है तो कांग्रेस भी इसकी नैतिक जिम्मेदारियों से नहीं बच सकती। यह भी याद रखें कि लोहरी माहौल में आम जनता का कोई भी व्यक्ति इस कथित वोट चोरी या ज़ानेश कुमार के हटाने के मुहिम में शरीक नहीं होगा। फिर वह व्यापारी हों या खरीददारी के इच्छुक ग्राहक। जाहिर है कि यह आपकी और इंडी गठबंधन दल (यदि वे शामिल हुए तो) के शक्ति प्रदर्शन का जरिया तो हो सकता है पर वह जनहित के आंदोलन की सूरत में नहीं होगा। पहले करना और बाद में उसके नतीजों पर विचार, किसी भी लिहाज से तर्क संगत नहीं ठहराया जा सकता। सबसे अहम सवाल वही है कि दीपावली के ठीक पहले और सिख नरसंहार की बरसी पर रैली करने की जिद क्यों? क्या तारीख बदलने से वोट चोरी के आरोप कमजोर पड़ जाते? लोकतंत्र में आंदोलन का अधिकार महत्वपूर्ण है, लेकिन राजनीतिक नेतृत्व से विवेक और संवेदनशीलता की अपेक्षा भी की जाती है। राहुल गांधी अपनी जिद पर अड़े हैं। उनकी इस ‘हठलीला’ से हासिल क्या होगा- लोकतांत्रिक आंदोलन को मजबूती या अनावश्यक राजनीतिक टकराव?

हो। राहुल गांधी ने वियतनाम से लौटने के बाद तारीख बदलने की मांग खारिज कर दी। खबरों के मुताबिक, उन्होंने पहले ही तय कर रखा था कि वापसी के बाद जो भी रविवार आएगा, उसी दिन रैली होगी। अब यही जिद कांग्रेस की रणनीति बन गई है। पार्टी के प्रवक्ता इसे भाजपा की घबराहट बता रहे हैं और व्यापारिक संगठनों की चिंता को राजनीतिक चरम से देख रहे हैं।

ज्ञानेश का फैसला सड़क से नहीं संसद से ही संभव: राहुल गांधी को भी मालूम है कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाना सड़क पर आंदोलन करने से संभव नहीं है। संवैधानिक प्रक्रिया के तहत संसद के दोनों सदनों में विशेष बहुमत से महाभियोग प्रस्ताव को पारित कराने पर भी संदेह है। ऐसे में सवाल है कि यदि वोट चोरी के आरोपों में इतना ही दम है, तो राहुल गांधी निर्वाचन आयोग को

शपथपत्र के साथ सबूत क्यों नहीं सौंपते? सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में अपने दावों को पुष्ट करने वाले प्रमाण क्यों पेश नहीं करते। इस पर उसके फैसले के इंतजार का सब्र क्यों नहीं है? यदि निर्वाचन आयोग के साथ सुप्रीम अदालत पर भी यकीन नहीं तो क्या सड़क पर उतरने से ज्ञानेश कुमार इस्तीफा दे देंगे? दूसरा सवाल दस लाख लोगों की भीड़ जुटाने का है। लगभग बारह एकड़ के रामलीला

मैदान (क्षमता एक लाख से कम) में इतनी बड़ी संख्या को समायोजित करना नामुमकिन है। फिर बाकी लोग दिल्ली की सड़कों पर क्या करेंगे? कांग्रेस ने प्रदेश इकाइयों को भीड़ जुटाने के लक्ष्य दिए हैं और विपक्षी गठबंधन के सहयोगियों से भी कार्यकर्ताओं को दिल्ली लाने की अपेक्षा की है। जाहिर है, यह महज स्वतःस्फूर्त जनक्रोश की परीक्षा नहीं, बल्कि राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन है।

न्यूज़ विंडो

12वां ब्रिक्स संसदीय मंच: पीएम से मिले 21 देशों के प्रतिनिधिमंडल

नई दिल्ली। भारत की मेजबानी में 12वें ब्रिक्स संसदीय मंच में हिस्सा लेने के लिए 21 देशों के संसदीय प्रतिनिधिमंडल नई दिल्ली पहुंच गए हैं। इनमें ब्रिक्स के 11 सदस्य देशों और 10 साझेदार देशों के प्रतिनिधि शामिल हैं। दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन संसद भवन परिसर में किया जा रहा है। लोकसभा और मंच के अध्यक्ष ओम बिरला ने उद्घाटन भाषण दिया। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज ब्रिक्स सदस्य और साझेदार देशों के दौरे पर आए संसद अध्यक्षों तथा प्रतिनिधिमंडलों के प्रमुखों से मुलाकात कर रहे हैं।

जामिया में 20 साल बाद छात्रसंघ चुनाव का आदेश

नई दिल्ली। दिल्ली की जामिया मिल्लिया इस्लामिया यूनिवर्सिटी में करीब 20 साल बाद छात्रसंघ चुनाव कराने का आदेश जारी किया गया है। यूनिवर्सिटी प्रशासन ने आज कहा कि छात्रसंघ के संविधान को मंजूरी मिलने के 15 दिन के भीतर चुनाव कराए जाएंगे। प्रशासन ने प्रदर्शन के दौरान छात्रों को जारी सस्पेंशन और कारण बताओ नोटिस रह करने का फैसला लिया है। साथ ही आंदोलन के दौरान सुरक्षाकर्मियों के व्यवहार की जांच के लिए कमेटी बनाने का भी आश्वासन दिया। हालांकि, प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने आदेश को अस्पष्ट बताते हुए कहा है कि लिखित भरोसा मिलने तक आंदोलन जारी रहेगा।

मुरुगन की सीट पर आज से नामांकन, भाजपा में कई दावेदार

भोपाल। केंद्रीय मंत्री एल. मुरुगन के इस्तीफे से खाली हुई मध्यप्रदेश की राज्यसभा सीट पर उपचुनाव के लिए आज अधिसूचना जारी हो रही है। इसके साथ ही नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। भाजपा में इस सीट के लिए कई दावेदारों के नाम चर्चा में हैं। मुरुगन अप्रैल 2024 में मध्यप्रदेश से राज्यसभा सदस्य बने थे। उनका कार्यकाल अप्रैल 2030 तक था, लेकिन इस्तीफे के बाद वह सीट रिक्त हो गई। अब उपचुनाव के जरिए इस सीट पर नए सदस्य का चयन होगा।

भारत में अस्थिरता के विदेशी प्रयास हमेशा ही गंभीर और खतरनाक रहे हैं

वरिष्ठ पत्रकार पद्मश्री आलोक मेहता का विशेष लेख... पेज-4

आज का कार्टून

छात्रों से लेकर व्यापारियों तक से जुटने की अपील

..व्यापारी तो वैसे ही सड़क पर आने वाला है

वोट चोरी

घलो दिल्ली

सनसनीखेज खुलासा... सुपर स्टार के घर के पास लॉज में लिया था कमरा

टाइगर श्रॉफ नहीं, आमिर खान थे लॉरेंस के शूटरों का असली निशाना

मुंबई , एजेंसी

अभिनेता टाइगर श्रॉफ की कार पर हुए हमले की जांच कर रही पुलिस को बड़ा सुराग मिला है। द इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस सूत्रों ने खुलासा किया है कि 20 सितंबर को हरियाणा से मुंबई आए शूटरों का असली निशाना आमिर खान थे। लॉरेंस गैंग के इशारे पर मुंबई पहुंचे शूटरों ने आमिर खान के घर की तीन बार रेकी की थी, लेकिन शूटिंग और सुरक्षा के चलते आमिर तक पहुंचना मुश्किल था। इसके बाद शूटरों ने आसानी से मिल जाने के कारण टाइगर श्रॉफ को अपना निशाना बना लिया। टाइगर अक्सर जुहू के पार्क में फुटबॉल खेलने आते थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 20 सितंबर को दो कथित शूटर फूल सिंह और रेहान अंसारी मुंबई पहुंचे थे। वे बांद्रा ईस्ट के एक लॉज में रुके थे, जो उस इलाके के पास है जहां आमिर खान का बांद्रा वाला घर है। उन्होंने आमिर के घर की तीन बार रेकी की। हालांकि, आमिर खान ज्यादातर समय फिल्मों की शूटिंग के सिलसिले में बाहर रहते थे या कई दिनों तक घर से बाहर नहीं निकलते थे। अक्टूबर के पहले हफ्ते में जब हमलावरों को आमिर पर अटक करना संभव नहीं लगा तो उन्होंने अंधेरी में टाइगर श्रॉफ पर नजर रखनी शुरू कर दी। जांच में सामने आया है कि शूटरों ने अभिनेताओं के घरों का ठिकाना खोजने के लिए 3,000 रुपए में एक कैब किराए पर ली थी। उन्होंने बांद्रा और अंधेरी में कई सितारों के घरों के चक्कर लगाए। शूटरों ने अंधेरी में तीन बार अपने होटल बदले और 14 से 18 अक्टूबर तक 'आर

मुंबई में 3 बार की थी बंगले की रेकी आमिर बाहर नहीं निकले तो टारगेट बदला

आमिर की गौरी से शादी पर नाराजगी

पुलिस सूत्रों के अनुसार लॉरेंस गैंग ने जुलाई में सोशल मीडिया पोस्ट और ऑडियो विलप के जरिए आमिर खान को धमकी दी थी। धमकी भरे मैसेज में आमिर खान और गौरी स्पैट की शादी को सनातन धर्म और देश के खिलाफ बताया गया। ये भी कहा गया कि गैंग ऐसी चीजों को बर्दाश्त नहीं करेगा और जल्द इसका जवाब देगा। बाद में आमिर ने एक इंटरव्यू में बताया था कि गौरी स्पैट कैथोलिक क्रिश्चियन हैं और उनकी दोनों पूर्व पत्नियों ने भी इस्लाम धर्म नहीं अपनाया था।

आसानी से मिल गए टाइगर श्रॉफ

पुलिस सूत्रों का कहना है कि बांद्रा में आमिर खान और टाइगर श्रॉफ के घर कुछ ही किलोमीटर की दूरी पर हैं। रेकी के दौरान शूटरों ने देखा कि टाइगर श्रॉफ अक्सर बिना किसी भारी सुरक्षा के बाहर निकलते हैं और रविवार को जुहू पार्क में फुटबॉल खेलने पहुंचते हैं। यही वजह है कि शूटरों ने आमिर खान का प्लान छोड़कर आसान टारगेट के रूप में टाइगर श्रॉफ को निशाना बनाने का फैसला किया।

आर रेजीडेंसी' होटल में ठहरे। 18 अक्टूबर को जुहू इलाके में टाइगर की कार पर फुटबॉल ग्राउंड के बाहर निकलते हुए फायरिंग हो गई। दो हमलावरों ने 5-7 राउंड फायरिंग की। टाइगर जख्मी हुए, जबकि उनके ड्राइवर को गोली लगी। ड्राइवर के जख्मी होने पर टाइगर श्रॉफ ड्राइविंग सीट पर आए और सीधे अस्पताल पहुंचे। बाद में एक वायरल ऑडियो में टाइगर श्रॉफ पर फायरिंग की जिम्मेदारी खुद को लॉरेंस बिश्नोई का साथी बताने वाले अनिल पंडित ने ली। ऑडियो क्लिप में सलमान खान के साथ काम करने वालों को जान से मारने की धमकी दी गई थी। टाइगर ने सलमान खान की तारीफ करते हुए उन्हें 'बॉलीवुड का असली टाइगर' बताया था।

सऊदी अरब में फंसे 4 हजार भारतीय, इनमें 300 एमपी के

भोपाल, दोपहर मेट्रो। मिडिल ईस्ट में सैन्य तनाव के बीच उड़ानें रूढ़ होने से उमराह करने गए करीब 4 हजार भारतीयों की वापसी अटक गई है। कांग्रेस प्रवक्ता अब्बास हफीज के मुताबिक, इनमें मध्यप्रदेश के 300 से ज्यादा और भोपाल-इंदौर के 120 से अधिक लोग शामिल होने की आशंका है। अब्बास हफीज ने केंद्र सरकार से यात्रियों की सुरक्षित वापसी के लिए विशेष व्यवस्था करने की मांग की है। उनके मुताबिक, यात्रियों को होटल, खाने और स्थानीय परिवहन पर रोजाना प्रति व्यक्ति 4 से 5 हजार रुपए अतिरिक्त खर्च करने पड़ रहे हैं। एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने रियाद-दम्माम की उड़ानें 7 नवंबर तक और जेद्दा की उड़ानें 31 अक्टूबर तक रद्द की हैं।

सांवरिया सेठ से लौट रहे दोस्तों की कार में लगी आग, 4 की मौत

धारा। प्रदेश के धार में चलती कार में आग लगने से सागौर जिले के चार युवकों की मौत हो गई और एक युवक गंभीर रूप से झुलस गया। यह हादसा फोरलेन पर हुआ जहां कार के टायर में आग लगने के बाद वो पुलिस से नीचे गिर गई। इसके बाद आग पूरी कार में फैल गई और उसमें चार युवक जिंदा जल गए। जानकारी के मुताबिक कार सवार युवक सांवरिया सेठ मंदिर से दर्शन करके लौट रहे थे। तभी यह हादसा हो गया। हादसे में घायल युवक को इलाज के लिए इंदौर के अस्पताल रेफर किया गया है। वह 35-40 प्रतिशत झुलस गया है।

बलराम कृषि महोत्सव... आधुनिक खेती पर किसानों से मुख्यमंत्री का सीधा संवाद

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश के नरसिंहपुर जिले में आज बलराम कृषि महोत्सव-2026 का आयोजन किया जा रहा है। कृषि उपज मंडी नरसिंहपुर में आयोजित इस महोत्सव में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव किसानों से वचुंअली संवाद कर रहे हैं। इस अवसर पर जिले के पांच चर्यात किसान मुख्यमंत्री से संवाद कर अपनी कृषि गतिविधियों, नवाचारों एवं अनुभवों को साझा करेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ यादव से संवाद करने वाले किसानों में ग्राम चीलाचौन कला के इन्द्रपाल पटेल, विकासखंड चीचली के ग्राम पुआरिया की शिवानी कौरव, विकासखंड गोटेगांव के ग्राम रीछ के लक्ष्मण पटेल, विकासखंड करेली के ग्राम करताज के राकेश वहीं विकासखंड चांवरपाटा के ग्राम देगुवां के लक्ष्मण रघुवंशी शामिल हैं। बलराम कृषि महोत्सव के माध्यम से किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, प्राकृतिक खेती, कृषि विविधीकरण, उद्यानिकी एवं कृषि से जुड़ी अन्य गतिविधियों की जानकारी देने का प्रावधान है।

शाह के खिलाफ अपमानजनक बयान का मामला

मानहानि मामले में राहुल बरी पेशी पर जाते समय काफिले की कार आपस में टकराई

सुल्तानपुर, एजेंसी

राहुल गांधी को अमित शाह से जुड़े मानहानि मामले में सुल्तानपुर की एमपी-एमएलए कोर्ट ने आज बरी कर दिया। भाजपा नेता विजय मिश्रा ने अगस्त 2018 में राहुल के खिलाफ केस दर्ज कराया था। आरोप था कि राहुल ने 8 मई 2018 को बेंगलुरु में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था, 'जो पार्टी ईमानदारी की बात करती है, उसके अध्यक्ष पर हत्या का आरोप है।' फैसले के बाद कोर्ट के बाहर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने डोल-नगाड़ों पर डांस किया, आतिशबाजी की और राहुल गांधी के समर्थन में नारे लगाए। इससे पहले, आज सुबह पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर राहुल के काफिले की 5 गाड़ियां आपस में टकरा गईं। इनमें एक एंबुलेंस भी थी। हादसे में राहुल गांधी सुरक्षित हैं।

हादसे में कई घायल राहुल गांधी सुरक्षित

पेशी पर जाते समय राहुल गांधी के काफिले की कई गाड़ियां आपस में टकरा गईं। बताया जा रहा है कि इस हादसे में कई लोग घायल हुए हैं। हालांकि राहुल गांधी को कोई चोट नहीं आई है। यह हादसा पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर 91 KM माइलस्टोन के पास हुआ। जानकारी के मुताबिक राहुल के काफिले में शामिल 5 गाड़ियां और एंबुलेंस आपस में टकरा गईं। जिसमें पार्टी के कार्यकर्ता, पदाधिकारी और सुरक्षा से जुड़े कुछ लोग घायल हो गए। शुरुआती जानकारी में यही बताया गया है कि टक्कर काफिले के पीछे चल रहे वाहनों के बीच हुई और राहुल गांधी की गाड़ी सुरक्षित रही।

गुरु गुण उपकार दिवस पर भक्तिमय हुआ शहर, जयकारों से गूंजे जिनालय

भोपाल। राष्ट्रीय संत आचार्य श्री विद्यासागर महाराज एवं आचार्य श्री समयसागर महाराज के अवतरण दिवस को भोपाल में समाजजनों ने श्रद्धा, भक्ति और सेवा के भाव के साथ गुरु गुण उपकार दिवस के रूप में मनाया। शहर के जिनालयों में गुरु वंदना, आराधना, धार्मिक आयोजनों के बीच वातावरण भक्तिमय हो गया। आचार्य श्री के जयकारों से मंदिर गूंज उठे। रानी कमलापति जिनालय में सुबह से ही दर्शनार्थियों की भीड़ उमड़ी। पंकज, मनोज बांगा, आदिश, अखिलेंद्र जैन रोडवेज, राजेश कोयला, विनोद चौधरी, अनुपम, मनोज एमके, भारत प्रवक्ता, सुनील जैनाविन और अंशुल जैन ने बताया कि राजधानी के विभिन्न मंदिरों में गुरु आराधना के आयोजन हुए। आचार्य विद्यासागर महाराज द्वारा आचार्य समयसागर महाराज को आचार्य पद प्रदान किए जाने का प्रसंग भी श्रद्धापूर्वक स्मरण किया गया।



अहिंसा यात्रा से दिया जीव दया का संदेश

विद्योदय जैन युवा महासंघ ने अहिंसा धर्म प्रभावना यात्रा निकालकर सत्य, अहिंसा और जीवदया का संदेश दिया। यात्रा में 'इंडिया नहीं, भारत', हथकरघा भारत का स्वाभिमान और गोसेवा जैसे आचार्यश्री के प्रेरक संदेश जन-जन तक पहुंचाए गए। विभिन्न क्षेत्रों से ध्वज लेकर

निकले युवा बोर्ड ऑफिस चौराहे पर एकत्रित हुए और अष्टद्वय से आराधना की। प्रोफेसर कॉलोनी मंदिर में विद्या गुरु विद्या ने हुआ। वहीं, जवाहर चौक मंदिर में आचार्य समयसागर महाराज के शिष्यों का दीक्षा दिवस मनाया गया। पाठशाला के बच्चों ने नृत्य-नाटिका से गुरु को नमन किया।



शाम को गुरु वंदना महोत्सव, पवन जैन को समाजसेवा सम्मान
आचार्यश्री विद्यासागर जी महाराज की 82वीं जयंती पर रविन्द्र भवन के हंस ध्वनि सभागार में गुरु वंदना महोत्सव होगा। आयोजन समिति के सूत्रधार रवीन्द्र जैन पत्रकार ने बताया, 22 साल से हो रहे इस आयोजन में विभिन्न मंदिरों की टीमों सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देंगी। बुंदेलखंड के गायक रोशन पटेल आचार्यश्री के जीवन पर आधारित गीत प्रस्तुत करेंगे। दमोह के वीरेश सेठ को समाजरत्न सम्मान और प्रथम समाजसेवा सम्मान पवन जैन सुपर परिवार को सम्मानित किया जाएगा।

पिपलानी में बुजुर्गों के साथ बिताया समय

पिपलानी के एरादेवी महिला मंडल ने इंद्रपुरी स्थित अपना घर आश्रम में बुजुर्गों और अशक्त लोगों के साथ समय बिताया। नवकार मंत्र, गुरु वंदना और सामूहिक भोजन के माध्यम से सेवा और करुणा का संदेश दिया। इस दौरान मंजू प्रदीप हरसोला, अनीता पंत, सिस्मी गंगवाल, मधु बजाज, सुप्रिया समेत कई महिलाएं मौजूद रहीं।

न्यूज विडो

महाराज अजमेर जयंती पर स्वर्णकार बोर्ड में नियुक्तियों की मांग



भोपाल। कमला पार्क स्थित अजमेर चौराहे पर मग्न सोनकर समाज कल्याण समिति ने महाराज अजमेर जयंती मनाई। जयंती प्रदेश के सभी जिलों में मनाई जा रही है। मुख्य आयोजन भोपाल में हुआ। समिति अध्यक्ष ओपी सोनी ने प्रदेश सरकार से स्वर्णकार बोर्ड में समाज के योग्य प्रतिनिधियों को नियुक्त करने की मांग की। कार्यक्रम में ट्रस्ट अध्यक्ष रामस्वरूप सोनी, विनोद सोनी, कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष अजय सोनी भी मौजूद थे।

वाल्मीकि जयंती पर अभिषेक, छप्पन भोग और महाआरती



भोपाल। चौकी मामाबाड़ा स्थित वाल्मीकि समाज मंदिर में महर्षि वाल्मीकि जयंती श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मनाई गई। इस अवसर पर भगवान वाल्मीकि का विधि-विधान से अभिषेक कर पूजा-अर्चना की गई। भगवान को छप्पन भोग अर्पित करने के बाद महाआरती हुई और श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। मंदिर अध्यक्ष शैलेंद्र चौहान ने बताया कि वर्षों पुराने इस मंदिर में प्रतिवर्ष जयंती पर विशेष आयोजन होते हैं। विद्यार्थियों को सम्मानित कर शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करने की परंपरा भी है। आयोजन के माध्यम से सामाजिक एकता, सद्भाव और महर्षि वाल्मीकि के आदर्शों को अपनाने का संदेश दिया गया।

मॉडल स्कूल के पुनर्मिलन में जीवंत हुए सुनहरा दिन, गीतों ने बांधा समां



भोपाल। वक्त गुजर गया, उम्र बदल गई, लेकिन दोस्ती का जज्बा आज भी बरकरार है। मॉडल स्कूल के पूर्व विद्यार्थियों का पुनर्मिलन समारोह आत्मीयता और पुरानी यादों के बीच संपन्न हुआ। इसमें करीब 45 पूर्व विद्यार्थी परिवार सहित शामिल हुए। स्कूल के दिनों की यादें ताजा हुईं और गीत-संगीत ने समां बांध दिया। जीवनसाथियों के साथ पहुंचे कुछ दंपतियों ने युगल गीत प्रस्तुत किए। सत्य प्रकाश त्रिवेदी की संगीतमय प्रस्तुति आकर्षण रही। आयोजन में सत्य प्रकाश त्रिवेदी, शेखर दुबे, नीलू, अजय श्रीवास्तव और नितिन नानावाकर सहित अन्य साथियों का योगदान रहा। सभी ने भविष्य में नियमित मिलने का संकल्प लिया।

दिवाली की सफाई में उड़ती धूल ने बढ़ाई सांस के मरीजों की परेशानी

मौसम और धुएं से बढ़ी दिक्कत OPD में आ रहे रोज 170 मरीज

भोपाल। दोपहर मेट्रो

दिवाली की सफाई के बीच उड़ती धूल, बदलता मौसम और हवा में मौजूद धुएं के ट्रिपल अटैक सांस के मरीजों की परेशानी बढ़ा रहे हैं। घरों में अलमारियों, पर्दों, पर्खों और कमरों की सफाई के दौरान उड़ने वाले महीन धूल कण अस्थमा और एलर्जी के मरीजों के लिए परेशानी का कारण बन रहे हैं। इसके साथ ही दिन और रात के तापमान में अंतर व हवा में मौजूद धूल के कण भी संवेदनशील लोगों की सांस की नलियों को प्रभावित कर रहे हैं। इसका असर राजधानी के रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ रेस्पिरेटरी डिजीज की ओपीडी में भी नजर आ रहा है। यहां रोज करीब 170 मरीज पहुंच रहे हैं। इनमें से करीब 100 मरीज सीजनल इफेक्ट से पीड़ित बताए जा रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि लोगों को खांसी, छींक, नाक बहने, सीने में जकड़न और सांस फूलने जैसी समस्याएं हो सकती हैं। असावधानी बरतने पर परेशानी और बढ़ सकती है।

अस्थमा और सीओपीडी के मरीजों के लिए तो धूल, धुआं और प्रदूषण ट्रिगर के रूप में काम करते हैं। ऐसे में सफाई के दौरान मास्क पहनना, गीले कपड़े से धूल साफ करना और निर्धारित दवाएं नियमित लेना जरूरी है। पुराने सांस के मरीजों को इस स्थिति में विशेष ध्यान रखना चाहिए। सांस लेने में परेशानी बढ़ने पर डॉक्टर से तुरंत संपर्क करना चाहिए, लापरवाही बरतने पर परेशानी बढ़ सकती है।



इस मौसम में बर्से सांस के मरीज

- **अस्थमा:** धूल, धुआं और ठंडी हवा अस्थमा के मरीजों में सांस की नलियों को प्रभावित कर सकते हैं। इससे खांसी, सीने में जकड़न और सांस फूलने की समस्या बढ़ सकती है।
- **एलर्जी:** हवा में मौजूद धूल के संपर्क में आने से बार-बार छींक आना, नाक बहना, आंखों में खुजली और गले में खराश जैसे लक्षण हो सकते हैं।
- **सीओपीडी और पुरानी सांस की बीमारी:** वायु प्रदूषण, धूल-धुआं और तापमान में बदलने से पुरानी सांस की बीमारी बढ़ सकती है।

250-300 टन कचरा बढ़ा

राजधानी में लगभग हर घर में दिवाली की सफाई चल रही है। ऐसे में दिवाली आसपास प्रतिदिन 250-300 टन कचरा बढ़ जाता है। बता दें, आम दिनों में निकलने वाला 850 मीट्रिक टन कचरा अब 1100-1200 टन का आंकड़ा पार कर गया है। साफ सफाई की व्यवस्था प्रभावित हो गई है। न तो डोर-टू-डोर कलेक्शन हो पा रहा है और न ही दिवाली की सफाई में निकलने वाला कचरा उठ पा रहा है। सड़कों, खाली प्लॉटों के साथ ही शहर के सरहद्द इलाकों में कचरा डंप किया जा रहा है।

केरवा डैम रोड से बैरागढ़ तक कार्रवाई, देसी-विदेशी शराब जब्त देर रात छापा, होटल और रेस्टोरेंट में शराबखोरी के 40 केस दर्ज

भोपाल। दोपहर मेट्रो

आबकारी विभाग ने विशेष अभियान के तहत रविवार देर रात शहर के अलग-अलग इलाकों में कार्रवाई की। विभाग की टीमों ने अवैध शराब बिक्री और होटल-रेस्टोरेंट में शराब पिलाने वालों के खिलाफ दबिश दी। इस दौरान आबकारी अधिनियम के तहत 40 अलग-अलग प्रकार दर्ज किए गए। कार्रवाई में देसी और विदेशी शराब भी बरामद की गई।सहायक जिला आबकारी अधिकारी शरद मिश्रा के नेतृत्व में टीम ने केरवा डैम रोड स्थित वारी, कंटीसाइड मोडोज, सवाया, वाइन और गुरु रेस्टोरेंट में दबिश दी। यहां अवैध रूप से शराब पीने-पिलाने के मामलों



में कार्रवाई की गई। आबकारी विभाग की दूसरी टीम ने बैरागढ़ क्षेत्र में इंदौर-भोपाल रोड स्थित होटल आकाश रिट्रीट के रूफटॉप स्कायवा रेस्टोरेंट की जांच की। रेस्टोरेंट का एफएल-5 लाइसेंस अवधि समाप्त हो चुका था। टीम ने 49.8 बल्क लीटर विदेशी शराब, स्पिरिट और बियर जब्त की। जब्त शराब की कीमत 1.65 लाख बताई गई। मामले में रेस्टोरेंट संचालक पर केस दर्ज किया गया है।

30 लाख लिए, जमीन की रजिस्ट्री नहीं की आरोपी गिरफ्तार

भोपाल। दोपहर मेट्रो

कृषि भूमि की रजिस्ट्री करवाने के नाम पर 30 लाख रुपए लेने और जमीन की रजिस्ट्री नहीं करवाने के मामले में चूना पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, बाबड़िया कलां निवासी दीपक मिश्रा ने 8 अगस्त को शिकायत दर्ज कराई थी। ग्राम पीपलखेड़ा की 6.36 एकड़ कृषि भूमि के लिए लक्ष्मण सिंह ने 30 लाख रुपए बयाना लिया। इसके बाद आरोपी ने जमीन की रजिस्ट्री नहीं कराई। इस पर रुपए मांगे तो वह भी नहीं लाताए। आखिरकार थक-हारकर फरियादी ने पुलिस में शिकायत की। पुलिस ने लक्ष्मण सिंह राजनूत को गिरफ्तार किया।

मेट्रो एंकर

‘न्यायधारा’ मध्यस्थता केंद्र दिलाएगा योजनाओं का लाभ

भोपाल। दोपहर मेट्रो

सरकारी योजनाओं की जानकारी नहीं होने या दस्तावेजी प्रक्रिया में उलझने के कारण कई जरूरतमंद लोग पात्र होने के बावजूद उनका लाभ नहीं ले पाते। वहीं, पारिवारिक विवाद और कानूनी मामलों के समाधान के लिए भी लोगों को लंबे समय तक इंतजार करना पड़ता है। ऐसी समस्याओं में मदद के लिए कमला पार्क स्थित मस्जिद फ्रैंज बहादुर परिसर की पहली मंजिल पर रविवार से ‘न्यायधारा’ कार्यक्रम के तहत मध्यस्थता केंद्र शुरू किया है। यहां लोगों को सरकारी योजनाओं की जानकारी, दस्तावेज तैयार करने की प्रक्रिया, काउंसलिंग और कानूनी मार्गदर्शन दिया जाएगा।



केंद्र से कानूनी सहायता, काउंसलिंग और सरकारी योजनाओं से संबंधित मार्गदर्शन मिलेगा

एमपी एमएमए ऑर्गनाइजेशन के प्रतिनिधि नबील के मुताबिक, संस्था ह्यूमन वेल्फेयर और एजुकेशन के क्षेत्र में काम कर रही है। इसी दिशा में ‘न्यायधारा’ कार्यक्रम शुरू किया है। इसका उद्देश्य केंद्र और राज्य की उन जनकल्याणकारी योजनाओं को आम लोगों तक पहुंचाना है। संस्था लोगों की जानकारी, दस्तावेज तैयार करने की प्रक्रिया, काउंसलिंग और कानूनी मार्गदर्शन दिया जाएगा।

सरकार और लोगों के बीच सेतु का काम करेगी संस्था
हो। कार्यक्रम के तहत दस्तावेजी सहायता व काउंसलिंग की व्यवस्था भी है। इसमें पारिवारिक विवादों से जुड़े मामलों में फैमिली काउंसलिंग होगी। इसके अलावा, कोर्ट से संबंधित मामलों में भी लोगों को मार्गदर्शन देने का प्रयास होगा। उन्होंने कहा कि कोर्ट में बड़ी संख्या में मामले लंबित हैं और उनके निपटारे में समय लगता है। ऐसे में संस्था लोगों को मार्गदर्शन देकर न्याय पाने की प्रक्रिया में मदद करेगी।

लोगों को न्याय हासिल करने में होगी आसानी
केंद्र में पारिवारिक विवाद, प्रॉपर्टी संबंधी विवाद और लेन-देन के मामलों में मध्यस्थता के जरिए समाधान तलाशने का प्रयास भी किया जाएगा। इसके साथ ही, झूठे मामलों में फंसाए जाने का दावा करने वाले लोगों और खुद को निर्दोष बताते हुए जेल में बंद लोगों को कानूनी सहायता दिलाने की पहल की जाएगी। हालांकि, मामलों का निपटारा और न्यायिक निर्णय संबंधित कोर्ट के अधिकार क्षेत्र में रहेगा। केंद्र के उद्घाटन अवसर पर निःशुल्क मेडिकल कैंप आयोजित किया गया।

हफ्ते के सातों दिन दोपहर 12 से शाम 7 बजे तक मिलेगी सुविधा
नबील ने भोपाल के नागरिकों से इस सुविधा का लाभ उठाने की अपील की है। उन्होंने बताया कि केंद्र में काउंसलर और अन्य कार्यालयीन स्टाफ सातों दिन दोपहर 12 बजे से शाम 7 बजे तक उपलब्ध रहेगा। इस दौरान लोग अपनी समस्याएं लेकर पहुंच सकते हैं और संबंधित विषय में मार्गदर्शन प्राप्त कर सकते हैं। संस्था सरकारी एजेंसियों, पुलिस प्रशासन और न्याय विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर लोगों की समस्याओं के समाधान में सहयोग करने का प्रयास भी करेगी।

प्रबंधन बोला-मशीनों के रखरखाव के लिए जरूरी

काटजू अस्पताल के शक्ति केंद्र में इलाज कराना अब फ्री नहीं, देना होगा शुल्क

भोपाल। दोपहर मेट्रो

शासकीय कैलाशनाथ काटजू अस्पताल के शक्ति केंद्र में अब संतानहीनता और महिलाओं से जुड़ी समस्याओं के उपचार के लिए शुल्क देना होगा। केंद्र में मरीजों की बढ़ती संख्या और अत्याधुनिक मशीनों के रखरखाव की जरूरत को देखते हुए अस्पताल प्रबंधन ने दो प्रमुख मशीनों से उपचार की दरें तय की हैं। इसके तहत कीगल चेंबर से उपचार के लिए 500 रुपए और गायनिक लेजर मशीन के इस्तेमाल पर 1,000 रुपए शुल्क तय किया गया है। गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) श्रेणी के मरीजों को इस शुल्क से छूट दी गई है।

प्रदेश के इस पहले शक्ति केंद्र में शुरूआत से ही इलाज सुविधा निःशुल्क थी। यहां संतान नहीं होने पर महिला और पुरुष दोनों का उपचार किया जाता है। महिलाओं को उम्र के साथ होने वाली समस्याओं के उपचार की सुविधा भी मिलती है। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार, केंद्र में उपलब्ध आधुनिक मशीनों के रखरखाव के लिए शासन से अलग से राशि मिलने का प्रावधान नहीं है। ऐसे में मशीनों को सुचारु बनाए रखने के लिए मरीजों से न्यूनतम शुल्क लेने का निर्णय किया गया है।

शक्ति केंद्र में गायनिक लेजर मशीन से उपचार के लिए 1,000 रुपए और कीगल चेंबर के लिए 500 रुपए तय किए हैं। गायनिक लेजर



दूसरे राज्यों से केंद्र में पहुंच रहे मरीज

केंद्र में दूसरे राज्यों से भी मरीज आ रहे हैं। अफसरों के मुताबिक ऐसे दंपती भी यहां आ रहे हैं, जिन्हें शादी के 10 साल बाद तक संतान नहीं हुई है। केंद्र में उपचार से उन्हें नई उम्मीद मिल रही है। पहले जहां शुक्रवार को करीब 40 से 50 मरीज आते थे, वहीं अब प्रतिदिन मरीजों की संख्या 300 से 400 तक पहुंचने का दावा किया जा रहा है। शक्ति केंद्र की नोडल अधिकारी डॉ. रचना दुबे का कहना है कि केंद्र में रोज मरीजों की संख्या बढ़ रही है। लोगों को उपचार से राहत मिल रही है, जिन्हें शादी के कई साल बाद भी संतान प्राप्त नहीं हुई। मशीनों के रखरखाव की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए शुल्क तय किया गया है।

मशीन का उपयोग रजोनिवृत्ति जैसी समस्याओं के इलाज में किया जाता है। वहीं, कीगल चेंबर महिला और पुरुषों में पेल्विक फ्लोर से जुड़ी समस्याओं के उपचार में उपयोगी है।

फूलों व रोशनी से सजी नाव में विराजे बाबा

आधी रात तक बाबा बटेश्वर और मां गौरा का नौका विहार



भोपाल। शरद पूर्णिमा पर श्रीबड़वाले महादेव मंदिर सेवा समिति एवं ट्रस्ट ने शीतलदास की बगिया में बाबा बटेश्वर व मां गौरा का नौका विहार कराया। समिति के संजय अग्रवाल व प्रमोद नेमा ने बताया, मां भवानी मंदिर, सोमवारा में पूजन के बाद बाबा की रजत प्रतिमा को मां गौरा

की चलित प्रतिमा के साथ फूलों व रोशनी से सजी नाव में विराजित किया। मुरली वाला ग्रुप ने श्रीकृष्ण भजन की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में डॉली आलोक शर्मा, अभिषेक लाला, केशव फुलवानी समेत बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। अंत में खीर प्रसादी वितरित की गई।

बीमा कंपनी के साथ चालक भी भरेगा रुपए

बैंक ऑफिसर की मौत पर परिजनों को 75 लाख 26 हजार का मुआवजा

भोपाल। दोपहर मेट्रो

अपर जिला न्यायाधीश जयंत शर्मा की अदालत ने सड़क हादसे के दौरान मौत का शिकार हुए बाम्बे मकेंटाइल को-ऑपरेटिव बैंक के ऑफिसर सै. मोहम्मद साजिद के परिजनों को 75.26 लाख रुपए की मुआवजा राशि 6 फीसद ब्याज समेत चुकाने के आदेश दिए हैं। मृतक के परिजनों की ओर से सीनियर एडवोकेट आरके हिंगोरानी और सनी हिंगोरानी ने पैरवी की है। एडवोकेट सनी हिंगोरानी ने बताया कि ग्रीन पार्क कालोनी आरिफ नगर बैरसिया रोड भोपाल निवासी सै. मोहम्मद साजिद ब्रांच में ऑफिसर थे। वे 20 अप्रैल 2025 को बाइक से सलामतपुर से भोपाल

झाड़वर भी देगा राशि
मामले की शिकायत थाना सूची सेवनिया की। एडवोकेट हिंगोरानी ने बताया कि फैसले के मुताबिक मृतक के परिजन को यह मुआवजा राशि मिनी ट्रक के झाड़वर अब्दुल रशीद, मालिक राजा प्रजापति और मोहम्मद साजिद ब्रांच में ऑफिसर इश्वरसेन अरेरा हिस्सा भोपाल को संयुक्त रूप से देनी होगी।

लौट रहे थे। ग्राम चोपड़ा कलां में भोपाल रोड पर मिनी ट्रक के झाड़वर अब्दुल रशीद ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी थी। मौके पर ही उनकी मौत हो गई थी।



खेती की तरक्की, किसान की खुशहाली और प्रदेश की समृद्धि का महाअभियान

बलराम कृषि महात्सव

15 जुलाई - 13 नवम्बर 2026

मुख्य अतिथि

डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश



नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री



डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

जबलपुर संभाग
में आयोजन

नरसिंहपुर
26 अक्टूबर

जबलपुर
27 अक्टूबर

कटनी
28 अक्टूबर

डिंडौरी
30 अक्टूबर

मंडला
31 अक्टूबर

बालाघाट
1 नवम्बर

सिवनी
2 नवम्बर

छिंदवाड़ा
3 नवम्बर

पांडुरंगा
4 नवम्बर

किसान कल्याण से कृषि विकास तक प्राथमिकताएं

सिंचाई का विस्तार

वर्ष 2028-29 तक 100 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई का लक्ष्य।

कृषि उत्पादन को नई ऊंचाई

उद्यानिकी उत्पादन के लिए 490 लाख मीट्रिक टन का लक्ष्य।

किसानों को उचित मुआवजा

कृषि भूमि अर्जन पर चार गुना मुआवजे का प्रावधान।

आर्थिक संबल

पीएम किसान सम्मान निधि एवं मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के तहत पात्र किसानों को सालाना ₹12,000 की सहायता।

सस्ती ऊर्जा, बेहतर खेती

10 हॉर्सपावर तक के कृषि पम्पों के लिए ऊर्जा सहायता एवं ₹5 में बिजली कनेक्शन की सुविधा।

कृषि आधारित उद्योगों को प्रोत्साहन

खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों में निवेश को बढ़ावा देने हेतु 60% तक प्रोत्साहन।

डेयरी क्षेत्र का विस्तार

प्रतिदिन 50 लाख लीटर दूध संग्रहण का लक्ष्य।

पशुपालकों को बाजार से जोड़ना

5,562 दुग्ध सहकारी समितियों के माध्यम से 83 हजार सदस्यों के वित्तीय समावेशन का लक्ष्य।

ब्याज का बोझ कम

फसल ऋण पर 0% ब्याज दर की सुविधा।

सौर ऊर्जा से सिंचाई

पीएम कुसुम योजना के अंतर्गत 32 लाख किसानों को सोलर पम्प उपलब्ध कराने का लक्ष्य।

कृषि आधारित उद्योगों को नई गति

पात्र इकाइयों को 50% तक सब्सिडी का प्रावधान।

कृषि निर्यात को बढ़ावा

₹6,000 करोड़ के मत्स्य निर्यात का लक्ष्य और ₹12,400 करोड़ से अधिक के संभावित निवेश।

हर खेत तक पानी

हर किसान को सम्मान

हर फसल को बेहतर अवसर

सीधा प्रसारण



@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh



@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP



jansamparkMP

D-11149/26

आकल्पन : ज.प. साध्वन/2026

अभिमत

जहरीली हवा का कहर

रा दिनों की दस्तक के साथ ही जब मौसम में ठंडक घुलने लगती है, तब देश के अनेक शहरों की हवा में जहर घुलने लगता है। दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में बिगड़ती वायु गुणवत्ता इसका ताजा प्रमाण है। दिल्ली के 42 निगरानी केंद्रों में से 32 पर वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) का 200 के पार पहुंचना और देश के 20 शहरों में हवा का खराब होना केवल आंकड़े नहीं, बल्कि गंभीर संकट की चेतावनी है। सवाल यह है कि आखिर हर साल सर्दियों में हवा का दम क्यों घुटने लगता है? क्या इसे महज मौसम की मार मानकर जिम्मेदारियों से बचा जा

सकता है? तापमान में गिरावट, हवा की धीमी गति और वायुमंडलीय स्थिरता प्रदूषकों को जमीन के करीब रोक देती हैं, लेकिन प्रदूषण के लिए मानवीय गतिविधियां भी जिम्मेदार हैं। वाहनों का धुआं, निर्माण स्थलों की धूल, औद्योगिक उत्सर्जन, पराली जलाना और आतिशबाजी वातावरण को लगातार विषाक्त बना रहे हैं। इसका सबसे गंभीर खामियाजा बच्चों, बुजुर्गों, बीमार व्यक्तियों और खुले में काम करने वाले श्रमिकों को भुगतना पड़ता है। सांस संबंधी बीमारियों का खतरा बढ़ने के साथ स्मॉग सड़क, रेल और

हवाई यातायात को प्रभावित करता है। व्यापार और पर्यटन पर भी इसका घटती क्षमता अर्थव्यवस्था पर अतिरिक्त बोझ डालते हैं। इस प्रकार प्रदूषण केवल पर्यावरणीय समस्या नहीं, बल्कि जनस्वास्थ्य और आर्थिक विकास की चुनौती भी है। विडंबना यह है कि समस्या पुरानी है, कारण स्पष्ट हैं और समाधान भी उपलब्ध हैं, फिर भी प्रभावी कार्रवाई अक्सर हालात बिगड़ने के बाद ही तेज होती है। अस्थायी प्रतिबंधों से आगे बढ़कर वर्षभर टोस रणनीति अपनानी होगी।

सार्वजनिक परिवहन को बेहतर बनाने, स्वच्छ ऊर्जा को प्रोत्साहित करने, औद्योगिक उत्सर्जन पर निगरानी रखने और निर्माण स्थलों पर धूल नियंत्रित करने की जरूरत है। पराली प्रबंधन के लिए किसानों को किफायती तकनीक और व्यावहारिक विकल्प उपलब्ध कराने होंगे। नागरिकों को भी अनावश्यक वाहन उपयोग घटाने और कचरा खुले में जलाने से बचने जैसे कदम उठाने चाहिए। विकास की सार्थकता केवल ऊंची इमारतों और चौड़ी सड़कों में नहीं, बल्कि नागरिकों के स्वस्थ जीवन में निहित है। जिस शहर में सांस लेना ही चुनौती बन जाए, वह प्राणित के दावे अधूरे हैं।

भारत में अस्थिरता के विदेशी प्रयास हमेशा ही गंभीर और खतरनाक रहे हैं

आलोक मेहता

वरिष्ठ पत्रकार



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी ने पिछले दिनों विपक्ष और कुछ बाहरी ताकतों पर देश में अराजकता फैलाकर सरकार को अस्थिर करने और 'तख्तापलट' के जरिए जल्द से जल्द सत्ता में आने की कोशिश के गंभीर आरोप लगाए हैं। प्रधानमंत्री ने इस सप्ताह एक कार्यक्रम में कहा कि दुनिया जहां नए ऑर्डर की तलाश में है, कुछ लोग भारत में डिसऑर्डर के सपने देख रहे हैं। कुछ लोग दुनिया में जाकर भारत को बदनाम कर रहे हैं। यह पहला अवसर नहीं है। 7 मई 2024 को भी प्रधान मंत्री ने कहा था कि कुछ विदेशी ताकतें भारत के चुनावों को प्रभावित करने का प्रयास कर रही हैं। लेकिन ये प्रयास कभी सफल नहीं होंगे। 21 फरवरी 2016 को प्रधानमंत्री मोदी ने एक रैली में आरोप लगाया कि कुछ एन जी ओ और उन लोगों के समूह, जिनके हित सरकार के कदमों से प्रभावित हुए, उनकी सरकार को अस्थिर करने और उन्हें बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने विदेशी धन के स्रोत और उसके इस्तेमाल का हिसाब देने की आवश्यकता पर जोर दिया। भारत को विदेशी प्रत्यक्ष निवेश की आवश्यकता है, लेकिन विदेशी विनाशकारी विचारधारा से भी देश की रक्षा करनी होगी।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विदेशी योगदान नियमन कानून के तहत विदेशी धन के प्रवाह और उसके उपयोग की निगरानी के मुद्दे पर साफ़ कहा है कि विदेशी फंडिंग से सामाजिक अशांति पैदा करने या देश की जनसांख्यिकी बदलने की कोशिश करने वाले संगठनों के प्रति सरकार नरमी नहीं बरतेगी। शाह ने आरोप लगाया कि कुछ एनजीओ विदेशी धन का दुरुपयोग राष्ट्रविरोधी गतिविधियों और धार्मिक धर्मांतरण के लिए कर रहे हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कुछ संगठन सरकारी कल्याण योजनाओं के कार्यान्वयन में बाधाएँ पैदा करते हैं।

कांग्रेस पार्टी के नेता राहुल गाँधी और उनके आन्दोलनों के समर्थक इन आरोपों को पूर्वाग्रही और बेबुनियाद बताने की कोशिश करते हैं। जबकि भारत की राजनीति में विदेशी हस्तक्षेप का सवाल केवल किसी एक प्रधानमंत्री, किसी एक राजनीतिक दल या किसी एक दौर तक सीमित नहीं रहा है। स्वतंत्रता के बाद से ही भारतीय नेताओं ने समय-समय पर आशंका जताई कि देश के भीतर राजनीतिक अस्थिरता पैदा करने, सरकार की नीतियों को प्रभावित करने, विपक्षी समूहों को समर्थन देने और राष्ट्रीय हितों को कमजोर करने में विदेशी शक्तियों की भूमिका हो सकती है।

पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने सार्वजनिक भाषणों और राजनीतिक चर्चाओं में विदेशी हस्तक्षेप का मुद्दा उठाया। उनके समकालीन कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. शंकर दयाल शर्मा ने भी कई बार अमेरिकी गुप्तचर एजेंसी सी आई ए का नाम लेकर ऐसे आरोप लगाए थे। उस समय मैंने स्वयं हिन्दुस्थान समाचार एजेंसी के

संवाददाता के रूप में उनसे इंटरव्यू अथवा पत्रकार समूहों के साथ चर्चा के दौरान कही गई बातें रिपोर्ट की थीं। इंदिरा गांधी को आशंका थी कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति में भारत के स्वतंत्र निर्णयों को प्रभावित करने के प्रयास हो सकते हैं। इस पृष्ठभूमि में सी आई ए का नाम भारतीय राजनीतिक बहस में बार-बार आया। उस समय सी आई ए पर दूसरे देशों में गुप्त राजनीतिक गतिविधियों और सरकारों को प्रभावित करने के आरोप केवल भारत में नहीं लगते थे। ईरान, ग्वाटेमाला, चिली और अन्य देशों के मामले महत्वपूर्ण उदाहरण हैं। आज यही बात बांग्ला देश, नेपाल, फ्रांस में हुई घटनाओं के सन्दर्भ में कही जा रही हैं। अब तो माओवादी लेनिनवादी संगठन के कथित युवा नेता नेत्री और कांग्रेस के साथ खड़े कई कथित एक्टिविस्ट भारत में 'रिजीम



चेंज' यानी तख्ता पलट की आवाज लगा रहे हैं। वर्तमान विवाद के दौरान इंदिरा गांधी द्वारा 27 अक्टूबर 1976 को लोक सभा में अपने भाषण के दौरान कही गई बात बहुत दिलचस्प और महत्वपूर्ण है। तब मैं संसद की कार्यवाही सदन में बैठकर रिपोर्ट करता था। श्रीमती गांधी ने कहा था 'भाड़े के कुछ राजनीतिज्ञों की जड़ें भारत में नहीं हैं, लेकिन विदेशों में उनकी भारत का नेता कहकर हाथोंहाथ लिया जाता है। वे विदेशी दूतावासों के चक्कर लगाते हैं। वे केवल चांदी के चाँद टुकड़ों के लिए ही नहीं बल्कि क्लिष्ट की बातों, विदेश यात्राओं की लालसा या अपने बच्चों को विदेशी वजीफा दिलाने के लिए ऐसा करते हैं। जो कोई भारत के गौरवशाली अतीत पर और भारतीय जनता पर गौरव करता हो, उसे लोकतंत्र के इन तथ्याकथित 'मित्रों' पर लज्जा अवश्य अनुभव होगी।' आजकल राहुल गांधी एक लाल कवर वाली एक छोटे आकार वाली किताब को 'सविधान' की किताब कहकर सभाएं करते हैं। वे प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और अदालतों की बात सुनने को तैयार नहीं होते, लेकिन उनको इंदिरा गांधी के भाषण का एक अंश अवश्य पढ़ना चाहिए। संसद के भाषण में उन्होंने कहा था 'सविधान के लिए कुछ लोगों का कहना है कि मुख्य तत्व मूल अधिकार है, तो कुछ निर्देशक सिद्धांतों को वैसा मानते हैं। अन्य लोगों के अनुसार 'न्यायिक समीक्षा' इसका सार तत्व है। कुछ लोगों ने संवैधानिक सर्वोच्चता का सिद्धांत प्रस्तुत किया है। परन्तु वास्तविक सर्वोच्चता जनता की है। सविधान एक महत्वपूर्ण दस्तावेज अवश्य है लेकिन यह जनता की सेवा के लिए एक साधन है। लोगों को उसका आदर

करना चाहिए, लेकिन उसकी खातिर लोगों की बलि नहीं दी जा सकती। ' पंजाब की स्थिति में सीमा-पार से समर्थन, उग्रवादी संगठनों की गतिविधियों और विदेशी धन की भूमिका पर अलग-अलग ऐतिहासिक और सुरक्षा संबंधी चर्चाएं संसद के अंदर और बाहर होती रही हैं। इंदिरा गांधी की हत्या के बाद प्रधानमंत्री बने राजीव गांधी ने भी विदेशी शक्तियों द्वारा भारत को अस्थिर करने की आशंका सार्वजनिक रूप से व्यक्त की। लेकिन उनके मामले में संदर्भ अलग था। उनकी सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लग रहे थे, बोफोर्स सौदे का विवाद उभर चुका था और विपक्ष सरकार की जवाबदेही की माँग कर रहा था। 16 मई 1987 को दिल्ली के बोट क्लब में कांग्रेस की विशाल रैली हुई। राजीव गांधी ने अपने भाषण में विदेशी शक्तियों और उनके भारतीय सहयोगियों पर देश को अस्थिर करने का आरोप लगाया और कहा कि भारत को दबाव में लाने के लिए भ्रष्टाचार संबंधी आरोपों तथा साम्प्रदायिक तनावों का इस्तेमाल हो रहा है। राजीव गांधी ने फिजि में सैन्य तख्तापलट का संदर्भ देते हुए कहा कि वे भारत में ऐसी स्थिति पैदा नहीं होने देंगे। उन्होंने चिली और अफ्रीका के कुछ देशों में निर्वाचित सरकारों को हटाए जाने की घटनाओं का भी उल्लेख किया। यह भाषण ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण है।

राजीव गांधी ने भी अपने विरुद्ध राजनीतिक आरोपों के बीच राष्ट्रीय संप्रभुता और विदेशी दबाव का प्रश्न उठाया। राजीव गांधी के कार्यकाल में ही सी आई ए से जुड़े 'रामस्वरूप जासूसी काण्ड' पर मैंने नव भारत टाइम्स में कई रिपोर्ट लिखी थीं। कनूनी नोटिस भी हमें मिले। लेकिन बाद में 29 जनवरी 1986 को इस आरोप का उल्लेख किये बिना उनकी सरकार के दो मंत्रियों के इस्तीफे हुए। भारत की अपेक्षा अमेरिकी मीडिया में इन इस्तीफों को जासूसी कांड का उल्लेख करते हुए खबरें प्रकाशित हुईं। नरसिम्हा राव की सरकार में अमेरिकी दबाव में परमाणु परीक्षण न होने देने और एक दशक बाद कांग्रेस की मनमोहन सरकार में परमाणु समझौते के तथ्य सर्व विदित हैं। यही नहीं सबसे अनुभवी राजनयिक और विदेश मंत्री नटवर सिंह का इस्तीफा उसी तरह के दबाव में लिया गया।

मोदी सरकार पर सविधान और चुनाव व्यवस्था पर आरोपों और आन्दोलनों के साथ यूरोप के लोकतान्त्रिक देशों का उल्लेख बहुत किया जा रहा है। इसलिए मुझे जर्मनी के सविधान के कुछ तथ्य ध्यान में आते हैं। मैं 1979 से 1982 तक जर्मन रेडियो में भी हिंदी विभाग का संपादक रहा हूँ और बाद में भी यूरोपीय देशों और अमेरिका के चुनावों में जाता रहा हूँ। जर्मनी के सविधान की धारा 18 में कहा गया है: 'जब अभिव्यक्ति की विशेषतः प्रेस की स्वतंत्रता, संगठन बनाने की स्वतंत्रता, डाक तार आदि को गोपनीय रखने या सम्पत्ति तथा शरण लेने के अधिकार का दुरुपयोग स्वतंत्र रूप से बनाई गई लोकतंत्री व्यवस्था पर प्रहार के लिए किया जाए, तो ये मूल अधिकार प्रभावी नहीं माने जाएंगे।

—यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

बालों का झड़ना आम समस्या है, लेकिन जब अचानक बाल ज्यादा गिरने लगें, उनकी मोटाई कम होने लगे या सिर के बाल लगातार पतले दिखने लगें, तो इसे केवल तनाव या खानपान की कमी मानकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। इसकी एक वजह थायरॉइड हार्मोन में गड़बड़ी भी हो सकती है। थायरॉइड ग्रंथि गर्दन के सामने स्थित होती है और शरीर की ऊर्जा इस्तेमाल करने की प्रक्रिया सहित कई जरूरी कामों को नियंत्रित करती है। इसके हार्मोन कम या ज्यादा बनने पर बालों की सामान्य वृद्धि प्रभावित हो सकती है।



हाइपोथायरॉइडिज्म में थायरॉइड ग्रंथि पर्याप्त मात्रा में हार्मोन नहीं बना पाती। इससे बाल रूखे, बेजान और पतले हो सकते हैं। कुछ लोगों के सिर से ज्यादा बाल झड़ने लगते हैं। भौंहों के बाहरी हिस्से के बाल भी कम हो सकते हैं। इसके साथ लगातार थकान, सुस्ती,

वजन बढ़ना, ठंड ज्यादा लगना, कब्ज और त्वचा रूखी होने जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं।

यदि बाल झड़ने के साथ शरीर में ऐसे बदलाव भी महसूस हों, तो डॉक्टर से सलाह लेना उचित है। हालांकि, इन लक्षणों के

आधार पर अकेले थायरॉइड की बीमारी की पुष्टि नहीं की जा सकती।

हार्मोन ज्यादा बनने पर भी झड़ते हैं बाल: हाइपरथायरॉइडिज्म में थायरॉइड ग्रंथि जरूरत से ज्यादा हार्मोन बनाने लगती है। इस स्थिति में भी बाल पतले पड़ सकते हैं या पूरे सिर से अधिक मात्रा में झड़ सकते हैं। इसके अलावा वजन घटना, दिल की धड़कन तेज होना, ज्यादा पसीना आना, गर्मी सहन न होना, हाथ कांपना और बेचैनी जैसे लक्षण भी हो सकते हैं। हर व्यक्ति में लक्षणों का स्वरूप अलग हो सकता है।

बाल झड़ने का मतलब हमेशा थायरॉइड की समस्या होना नहीं है। आयरन की कमी, पोषण की कमी, तनाव, तेज बुखार या

हाल की बीमारी, प्रसव के बाद हार्मोनल बदलाव, आनुवंशिक कारण और कुछ दवाएं भी इसकी वजह बन सकती हैं। डॉक्टर जरूरत के अनुसार टीएसएच और थायरॉइड हार्मोन की जांच कराने की सलाह दे सकते हैं। अन्य कारणों की जांच भी जरूरी हो सकती है। बाल झड़ने पर बिना जांच थायरॉइड की दवा या कोई पूरक लेना नुकसानदायक हो सकता है। यदि बाल लगातार झड़ रहे हैं या इसके साथ वजन, ऊर्जा, त्वचा अथवा शरीर के तापमान में बदलाव महसूस हो रहे हैं, तो चिकित्सक से परामर्श लें। सही कारण का पता लगने और उचित उपचार से बालों की सेहत में सुधार हो सकता है, हालांकि परिणाम आने में समय लग सकता है।

—यह लेखक के अपने विचार हैं।

तेजी से बाल झड़ना थायरॉइड की गड़बड़ी का संकेत, लक्षणों पर दें ध्यान

निशाना

झूठ को यूँ सच बताकर देखिए..!



नीतिराज चौरे ' नीति '

खुद ही खुद से यूं भागोगे कब तलक, बेखुदी से आखिर जगोगे कब तलक, कर्म से पीछे छुड़ाकर इस तरह, मौज यूँ आखिर करोगे कब तलक, झूठ को यूँ सच बताकर देखिए, यूँ फिर आगे बढ़ोगे कब तलक, सत्य छट कभी छलकता नहीं, पाप घट में यूँ भरोगे कब तलक, अपनों को तो तुमने ठग लिया है, जग से मगर बचके रहोगे कब तलक, दूसरों से मैल मन का छिपा लिया, लेकिन खुद से खुद छिपोगे कब तलक, है चार पल की ज़िंदगी सबकी खुद को अमर कह ठगोगे कब तलक।

वायरल कंटेंट

पाकिस्तान के मिनी बनारस में आज भी महकता है बनारसी पान और साड़ियों का कारोबार

भारत और पाकिस्तान के बीच 1947 में हुए बंटवारे ने लाखों परिवारों को अपनी जन्मभूमि छोड़ने पर मजबूर कर दिया था। कई लोग अपना घर-बार पीछे छोड़कर नए देश में बस गए, लेकिन अपनी भाषा, खानपान और परंपराओं को साथ ले गए। समय बीतने के बावजूद इन सांस्कृतिक यादों की झलक आज भी दोनों देशों में दिखाई देती है। पाकिस्तान के कराची में मौजूद एक ऐसा ही इलाका इन दिनों सोशल मीडिया पर चर्चा में है। इसे लोग 'मिनी बनारस' कहते हैं। यहां बनारसी पान, साड़ियों और कपड़ों के कारोबार में आज भी पुराने बनारस की झलक देखने को मिलती है।

सोशल मीडिया पर 'देसी एक्सप्लोरर' नाम से वीडियो साझा करने वाले एक क्रिएटर ने अपने इंस्टाग्राम खाते पर इस इलाके की झलक दिखाई है। वीडियो में वह पाकिस्तान के कराची में रहने वाले बनारस से जुड़ी पृष्ठभूमि वाले परिवारों से मिलवाते हैं। वहां के कुछ लोग बताते हैं कि उनके पूर्वज भारत के बनारस से पाकिस्तान आए थे। बंटवारे के समय शुरू

हुआ यह सफर अगली पीढ़ियों की पारिवारिक कहानी का हिस्सा बन गया। कराची में नई ज़िंदगी शुरू करने के बाद इन परिवारों ने अपने कामकाज और रोजमर्रा के जीवन में पुरानी परंपराओं को बनाए रखा। इसी सांस्कृतिक जुड़ाव के कारण इस इलाके को 'मिनी



बनारस' कहा जाता है। हालांकि, इस नाम का इस्तेमाल स्थानीय पहचान और परंपराओं के संदर्भ में किया जाता है। वीडियो में सबसे पहले बनारसी पान बनाते एक दुकानदार की झलक दिखाई देती है। पान बनाने और परोसने का उसका अंदाज दर्शकों को आकर्षित करता है। भारत में बनारसी पान की अपनी अलग पहचान है। इसलिए कराची में भी इसी नाम और परंपरा से जुड़े पान को देखना लोगों के लिए दिलचस्प बन गया। वीडियो में बनारसी साड़ियों और कपड़ों की दुकानों को भी दिखाया गया है। यहां कपड़ों का कारोबार करने वाले परिवारों के माध्यम से उस परंपरा की झलक मिलती है, जिसके लिए बनारस लंबे समय से जाना जाता रहा है।

फोन अपडेट करने के बाद रीस्टार्ट करना क्यों जरूरी, सही रहेंगी सेटिंग्स

स्मार्टफोन में नया सॉफ्टवेयर अपडेट आने पर ज्यादातर लोग उसे तुरंत डाउनलोड और इंस्टॉल कर लेते हैं। लेकिन अपडेट पूरा होने के बाद फोन को रीस्टार्ट करना भी जरूरी हो सकता है। कई बार फोन खुद ही बंद होकर दोबारा चालू हो जाता है, लेकिन यदि ऐसा नहीं होता, तो उपयोगकर्ता को यह देखना चाहिए कि अपडेट पूरी तरह इंस्टॉल हुआ है या नहीं। फोन को रीस्टार्ट करने से सिस्टम की कुछ अस्थायी गड़बड़ियां दूर हो सकती हैं और नई सेटिंग्स सही तरीके से लागू होने में मदद मिलती है।

फोन को रीस्टार्ट करने का मतलब है उसे बंद करके दोबारा चालू करना। इस प्रक्रिया में ऑपरेटिंग सिस्टम नए सिरे से शुरू होता है और चल रहे ऐप बंद हो जाते हैं। इससे कुछ अस्थायी तकनीकी समस्याएं दूर हो सकती हैं। यदि अपडेट के बाद फोन धीमा चल रहा है, ऐप खुलने में परेशानी हो रही है या नेटवर्क कनेक्शन में दिक्कत आ रही है, तो रीस्टार्ट करने से मदद मिल सकती है।

सॉफ्टवेयर अपडेट में सुरक्षा से जुड़ी कमियां दूर करने, नई सुविधाएं जोड़ने और पुराने दोष सुधारने के लिए

बदलाव किए जाते हैं। अपडेट के बाद रीस्टार्ट करने से सिस्टम के नए हिस्सों को सही तरीके से शुरू होने में मदद मिल सकती है। यदि फोन खुद रीस्टार्ट हो चुका है और अपडेट सफलतापूर्वक पूरा हो गया है, तो दोबारा रीस्टार्ट करना आमतौर पर जरूरी नहीं होता।

अगर अपडेट के बाद फोन में लगातार परेशानी आ रही है, तो पहले उसे रीस्टार्ट करें। इसके बाद इंटरनेट कनेक्शन, उपलब्ध स्टोरेज और ऐप अपडेट की स्थिति जांचें। जरूरत पड़ने पर फोन निर्माता के निर्देशों का पालन करें।

फोन को कभी-कभार रीस्टार्ट करना सामान्य रखरखाव का अच्छा तरीका हो सकता है। इससे लगातार चल रहे ऐप बंद हो जाते हैं और कुछ अस्थायी समस्याएं दूर हो सकती हैं। लेकिन हर स्मार्टफोन के लिए सप्ताह में एक बार रीस्टार्ट करना अनिवार्य नियम नहीं है। यदि फोन ठीक चल रहा है, तो उपयोगकर्ता अपनी जरूरत के अनुसार इसे रीस्टार्ट कर सकते हैं। रीस्टार्ट करने से उस समय चल रहे ऐप और प्रक्रियाएं बंद होती हैं। इससे कुछ प्रकार के अस्थायी नुकसानदायक प्रोग्राम की गतिविधि रुक सकती है। लेकिन इसे फोन की सुरक्षा का पूरा उपाय नहीं मानना चाहिए।



मंडीदीप में इंडिया बेस्ट मैनेजमेंट कंपनी के काले धुएं से रहवासी परेशान

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल; एसडीएम ने जांच के बाद कार्रवाई का दिया आश्वासन

मंडीदीप। दोपहर मेट्रो

औद्योगिक शहर मंडीदीप में प्रदूषण की समस्या गंभीर होती जा रही है। न्यू इंडस्ट्रीज क्षेत्र स्थित इंडिया बेस्ट मैनेजमेंट कंपनी की चिमनियायें से निकलने वाले घने काले धुएं को लेकर आसपास के रहवासियों ने नाराजगी जताई है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कंपनी से लगातार निकल रहा धुआं उनके स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए खतरा बन रहा है, लेकिन जिम्मेदार विभाग प्रभावी कार्रवाई नहीं कर रहे हैं।

घरों पर जम रही राख

रहवासियों के मुताबिक, कंपनी से निकलने वाले धुएं के कारण आसपास के इलाके में प्रदूषण बढ़ रहा है। लोगों का कहना है कि



बुजुगों और बच्चों को सांस लेने में परेशानी, आंखों में जलन और गले में खराश जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। धुएं के साथ उड़ने वाली काली राख घरों की छतों और पेड़-पौधों पर जम रही है। क्षेत्र से गुजरने वाले लोगों को भी असुविधा हो रही है।

नागरिकों ने प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि दिवाली पर पटाखों से होने वाले प्रदूषण को रोकने के लिए प्रतिबंध लगाए जाते हैं, लेकिन औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाले धुएं पर प्रभावी नियंत्रण क्यों नहीं किया जा

रहा। लोगों ने अधिकारियों और कंपनी प्रबंधन की कथित लापरवाही की जांच की मांग की है।

आंदोलन की चेतावनी, प्रशासन ने दिया जांच का भरोसा

क्षेत्रीय नागरिकों ने चेतावनी दी है कि समस्या का जल्द समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन किया जाएगा। एसडीएम गोहरगंज चंद्रशेखर श्रीवास्तव ने कहा कि राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के आदेशों की अवहेलना बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उनके मुताबिक, मामला संज्ञान में लाया गया है और जांच कराकर शीघ्र कार्रवाई की जाएगी। वहीं, कांग्रेस नेता मनीष मालवीय ने प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताई। उन्होंने सवाल उठाया कि जब दिवाली पर पटाखों से होने वाले प्रदूषण को रोकने के लिए प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं, तो उद्योगों से निकलने वाले काले धुएं पर प्रभावी रोक क्यों नहीं लगाई जाती।

एनजीटी के आदेशों की अवहेलना बर्दाश्त नहीं: एसडीएम

मंडीदीप में औद्योगिक प्रदूषण को लेकर प्रशासन और राजनीतिक स्तर पर भी सवाल उठने लगे हैं। एसडीएम गोहरगंज चंद्रशेखर श्रीवास्तव ने कहा कि राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के आदेशों की अवहेलना बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उनके मुताबिक, मामला संज्ञान में लाया गया है और जांच कराकर शीघ्र कार्रवाई की जाएगी। वहीं, कांग्रेस नेता मनीष मालवीय ने प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताई। उन्होंने सवाल उठाया कि जब दिवाली पर पटाखों से होने वाले प्रदूषण को रोकने के लिए प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं, तो उद्योगों से निकलने वाले काले धुएं पर प्रभावी रोक क्यों नहीं लगाई जाती।

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की निगरानी पर उठे सवाल

मंडीदीप के रहवासियों ने प्रदूषण नियंत्रण व्यवस्था में कथित दोहरे मापदंडों पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि दिवाली के दौरान पटाखों से होने वाले प्रदूषण को लेकर प्रतिबंध और सख्ती दिखाई जाती है, लेकिन औद्योगिक क्षेत्रों में चिमनियायें से निकलने वाले काले धुएं पर कार्रवाई नजर नहीं आती। लोगों के अनुसार, न्यू इंडस्ट्रीज क्षेत्र में कंपनी से निकलने वाला धुआं आसपास के वातावरण को प्रभावित कर रहा है। नागरिकों ने प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से कंपनी के उत्सर्जन की जांच कराने, प्रदूषण नियंत्रण उपकरणों की स्थिति की पड़ताल करने की मांग की है।

न्यूज विंडो

शरद पूर्णिमा पर महाकाली मंदिर में भक्तों ने ग्रहण की खीर प्रसादी



गंजबासोदा। शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर श्री महाकाली मंदिर में श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ खीर प्रसादी का वितरण किया गया। इस दौरान माता रानी के दर्शन के लिए श्रद्धालु पहुंचे और विधिवत पूजा-

अर्चना कर प्रसादी ग्रहण की। भक्तों ने परिवार सहित सभी के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। धार्मिक आयोजन के दौरान मंदिर परिसर में भक्तिमय माहौल रहा। श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक प्रसादी वितरण में सहभागिता की। शरद पूर्णिमा पर खीर प्रसादी ग्रहण करने की धार्मिक परंपरा के चलते आयोजन के प्रति भक्तों में विशेष उत्साह दिखाई दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में मंदिर के पुजारी विशाल दास वैष्णव सहित अरुण वैष्णव, धर्मेन्द्र मिश्रा, दिनेश प्रजापति, मुकेश सोनी, ध्यानेंद्र ठाकुर, जीत कुशवाह, अमन सोनी, दीपक प्रजापति, सचिन सेन, सलोनी कुशवाह, वैष्णवी यादव, शिवराज कुशवाह और सुनीता वैष्णव सहित अन्य श्रद्धालुओं का विशेष सहयोग रहा। प्रसादी वितरण के साथ श्रद्धालुओं ने माता रानी के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की।

महिलाओं के दर्शन-पूजन के लिए उमड़े श्रद्धालु, सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

तेंदूखेड़ा की सड़कों पर जाम का जंजाल पार्किंग गायब और जिम्मेदार बेपरवाह!



तेंदूखेड़ा। करीब 20 हजार की आबादी वाले तेंदूखेड़ा नगर में यातायात व्यवस्था बर्दाहल होती जा रही है। प्रमुख मार्गों पर बेतरतीब खड़े दोपहिया और चारपहिया वाहनों से आए दिन जाम लग रहा है। पार्किंग की व्यवस्था नहीं होने से वाहन चालक सड़क किनारे वाहन खड़े कर देते हैं, जिससे राहगीरों और अन्य वाहन चालकों को परेशानी होती है। जबलपुर और दमोह के बीच स्थित होने से नगर में प्रतिदिन बड़ी संख्या में वाहनों की आवाजाही होती है। मंगलवार को लगने वाले साप्ताहिक बाजार के दौरान स्थिति और बिगड़ जाती है। शासकीय उल्कृष्ट विद्यालय से तहसील तक तथा तारादेही तिराहे से विश्राम भवन तक सड़क किनारे खड़े वाहनों से आवागमन प्रभावित होता है। नगरवासियों का कहना है कि वर्षों पुरानी समस्या के बावजूद स्थायी समाधान नहीं हुआ है। लोगों ने प्रशासन से निश्चित पार्किंग स्थल तय करने, सड़क किनारे अतिक्रमण हटाने, नियमों का उल्लंघन करने वालों पर चालानी कार्रवाई करने और यातायात व्यवस्था की नियमित निगरानी करने की मांग की है।

समर्थन मूल्य पर खरीदी शुरू होने से पहले हजारों क्विंटल धान के अवैध स्टॉक का आरोप

किसानों की मजबूरी पर व्यापारियों की चांदी, तेंदूखेड़ा में धान का ‘काला कारोबार’

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

तेंदूखेड़ा और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में धान की कथित अवैध खरीदी और कालाबाजारी का मामला सामने आया है। ग्रामीणों का आरोप है कि समर्थन मूल्य पर सरकारी खरीदी शुरू होने में देरी का फायदा उठाकर कुछ व्यापारी किसानों से कम दाम पर धान खरीदकर हजारों क्विंटल का स्टॉक कर रहे हैं। त्योहारों के खर्च और नकदी की जरूरत के चलते छोटे किसान अपनी उपज औने-पौने दामों पर बेचने को मजबूर हैं।

ग्रामीणों के मुताबिक, व्यापारियों के एजेंट गांव-गांव जाकर किसानों से 1800 से 2000 रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान खरीद रहे हैं। इसके बाद ट्रैक्टर-ट्रॉली और पिकअप से रात के समय धान गोदामों में पहुंचाई जा रही है। किसानों का कहना है कि तत्काल नकदी मिलने के कारण वे सरकारी खरीदी का इंतजार नहीं कर पा रहे हैं।

किसानों ने आरोप लगाया कि व्यापारी सस्ती दरों पर खरीदी गई धान को बाद में खरीदी केंद्रों पर कथित सांटगांठ से समर्थन मूल्य पर बेचने की तैयारी कर सकते हैं। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और कृषि विभाग से कथित अवैध स्टॉक की जांच, दौड़ियों पर कार्रवाई और समर्थन मूल्य पर खरीदी जल्द शुरू कराने की मांग की है। किसानों का कहना है कि इस खेल से उन्हें आर्थिक नुकसान और शासन को भी नुकसान होने की आशंका है।



तत्काल भुगतान के फेर में औने-पौने दाम पर बिक रही फसल

तेंदूखेड़ा क्षेत्र के छोटे किसानों के सामने त्योहारों से पहले आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। किसानों के मुताबिक, दो से दस एकड़ तक जमीन रखने वाले परिवारों को शरद पूर्णिमा, करवाचौथ, धनतेरस और दीपावली के लिए अतिरिक्त पैसों की जरूरत है। घर की रंगाई-पुताई, कपड़े, बच्चों की जरूरतों और अन्य खर्चों के लिए नकदी जुटाना जरूरी है। सरकारी खरीदी शुरू होने में देरी के कारण किसान व्यापारियों को कम कीमत पर धान बेच रहे हैं। किसानों का कहना है कि व्यापारी तत्काल नकद भुगतान कर देते हैं और उन्हें छंटाई, हम्माली तथा परिवहन संबंधी झंझट भी नहीं उठाना पड़ता। इसी मजबूरी का फायदा उठाकर कम दाम पर धान खरीदने का आरोप लगाया जा रहा है।

पंजीयन और तौल प्रक्रिया की जांच कराने की मांग

ग्रामीणों ने धान खरीदी केंद्रों पर संभावित गड़बड़ी को लेकर गंभीर आशंका जताई है। उनका आरोप है कि व्यापारियों द्वारा किसानों से सस्ती दरों पर खरीदी गई धान को बाद में समर्थन मूल्य पर बेचने की कोशिश की जा सकती है। आरोपों के मुताबिक, कुछ मामलों में किसानों के पंजीयन का दुरुपयोग कर व्यापारियों की धान सरकारी खरीदी में खपाने की आशंका है। हालांकि, इस कथित सांटगांठ की पुष्टि के लिए जांच जरूरी है। ग्रामीणों ने प्रशासन से गोदामों में रखे धान के स्टॉक का सत्यापन कराने, खरीदी केंद्रों के रिकॉर्ड और तौल प्रक्रिया की जांच करने तथा बिचौलियों की भूमिका सामने आने पर कार्रवाई करने की मांग की है। उनका कहना है कि पारदर्शी व्यवस्था से किसानों के हितों की रक्षा हो सकती है।

12 वर्षों की यात्रा में लोकशक्ति बनी ‘मन की बात’ की पहचान



मंडीदीप। दोपहर मेट्रो

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेंडियो कार्यक्रम ‘मन की बात’ के 139वें एपिसोड का रविवार, 25 अक्टूबर को मंडीदीप में भाजपा मंडल के सभी बुधों पर सामूहिक श्रवण किया गया। भोजपुर विधायक सुरेंद्र पटवा और भाजपा जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा के निर्देशानुसार मंडल अध्यक्ष पवन श्रीवास्तव के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की।

मंडल महामंत्री अमित जैन ने बताया कि प्रधानमंत्री ने ‘मन की बात’ की 12

वर्षों की यात्रा का उल्लेख करते हुए इसे आम नागरिकों के परिश्रम, सेवा, समर्पण और प्रेरणादायी योगदान को सामने लाने का सशक्त माध्यम बताया। उन्होंने समाज और राष्ट्र के लिए निस्वार्थ भाव से कार्य करने वाले लोगों के योगदान को महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम का उद्देश्य सकारात्मक प्रयासों को प्रोत्साहित करना और जनभागीदारी बढ़ाना रहा। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष प्रियंका अग्रवाल, पूर्व जिला अध्यक्ष राजेंद्र अग्रवाल, जीवन सिंह पाल, विनोद जैन, प्रार्थना चौहान सहित अनेक पदाधिकारी, बूथ अध्यक्ष और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

स्वामित्व योजना के पंजीयन पर बवाल, पटवारी से अभद्रता के बाद थाने पहुंचे 40 से ज्यादा कर्मचारी

रात में गांवों में काम कराने पर पटवारी संघ नाराज, सुरक्षा और कार्यालयीन समय में पंजीयन की मांग नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

ग्राम बुधवाड़ा में स्वामित्व योजना के तहत पंजीयन कार्य के दौरान पटवारी से अभद्रता और झुमाझटकी का मामला सामने आया है। घटना से नाराज 40 से अधिक पटवारी रविवार रात करीब 9:30 बजे देहात थाने पहुंचे और आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने रात करीब 11 बजे लिखीचंद यादव उर्फ बबली यादव के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा सहित अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज किया।

पटवारी नितिन शर्मा के अनुसार, वह रात करीब 8:15 बजे पंचायत भवन में पंजीयन कार्य कर रहे थे। इसी दौरान गांव का लिखीचंद यादव वहां पहुंचा। आरोप है कि युवक



शराब के नशे में गाली-गालीज करने लगा। कोटवार को उसे बाहर ले जाने के लिए कहने पर युवक ने झुमाझटकी की और सरकारी काम में बाधा पहुंचाई। देर रात एसडीएम देवेन्द्र प्रताप सिंह और तहसीलदार भी पटवारियों से मिलने थाने पहुंचे।

सर्वर की समस्या से बड़ा दबाव, सुरक्षा पर सवाल

घटना के बाद पटवारी संघ ने रात में गांवों में पंजीयन करने के दबाव पर नाराजगी जताई। जिला पटवारी संघ अध्यक्ष देवेन्द्र कदम और तहसील

अध्यक्ष मुकेश गौर ने बताया कि सर्वर दोपहर में ठीक से काम नहीं करता, जबकि रात में गति बेहतर होने से पटवारियों को देर तक काम करना पड़ता है। देवेन्द्र कदम के अनुसार, जिले में करीब 370 पटवारी हैं, जिनमें 150 से अधिक महिलाएं हैं। ऐसे में देर रात गांवों में काम करने और आवागमन के दौरान सुरक्षा चिंता का विषय है। संघ ने पंजीयन कार्य कार्यालयीन समय में कराने, समय निर्धारित करने और मैदानी कर्मचारियों की सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम करने की मांग की है।

मेट्रो एंकर

श्रमदान अभियान में मिलीं पीओपी की मूर्तियां, धार्मिक पुस्तकें, कपड़े और प्लास्टिक

आस्था के नाम पर बेतवा को बनाया कचराघर, रिपटा घाट पर 40 क्विंटल कचरा

गंजबासोदा। दोपहर मेट्रो

मां बेतवा को स्वच्छ बनाने के लिए चलाए जा रहे श्रमदान अभियान 6.0 के छठवें चरण में रिपटा घाट पर गंदगी का भयावह मंजर सामने आया। महज चार वयस्कों और दो बाल स्वयंसेवकों ने करीब तीन घंटे श्रमदान कर 40 क्विंटल से अधिक कचरा एकत्रित किया। घाट पर देवी-देवताओं की पीओपी से बनी मूर्तियां, धार्मिक पुस्तकें, पूजन सामग्री, कपड़े, प्लास्टिक और घरेलू कचरे का ढेर मिला। इस स्थिति ने धार्मिक आस्था के साथ पर्यावरण संरक्षण और नागरिक जिम्मेदारी पर भी सवाल खड़े किए हैं।

सफाई अभियान के दौरान मां दुर्गा और मां लक्ष्मी की मूर्तियों के साथ प्लास्टिक की प्रतिमाएं, फूल-



मालाएं, सड़े नारियल, धार्मिक पुस्तकें, शादी के कार्ड, फोटो फ्रेम, कांच की चूड़ियां, पॉलीथिन, प्लास्टिक की बोतियां, झंडे, चुनरियां और भगवान की पोशाकें मिलीं। घाट पर जूते-चप्पल सहित कई

अनुपयोगी वस्तुएं भी पड़ी थीं। स्वयंसेवकों ने इन सामग्रियों को नदी तट और घाट परिसर से हटाकर एकत्रित किया। अभियान में नितिन अग्रवाल, दिनेश चौरसिया, सूर्य प्रताप सिंह राजपूत और आकाश जैन

ने श्रमदान किया। उनके साथ बाल स्वयंसेवक जैत्र राजपूत और नक्श राजपूत ने भी सफाई में सहयोग दिया। सीमित संख्या में लोगों द्वारा इतनी बड़ी मात्रा में कचरा हटाने पर श्रमदान दल ने चिंता जताई।

नियमों का पालन और जागरूकता जरूरी

श्रमदान दल ने जिला कलेक्टर और एसडीएम से नदी तटों पर कचरा फेंकने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं की पहचान कर नियमानुसार कार्रवाई की मांग की। दल का कहना है कि केवल सफाई अभियान से नदी को स्वच्छ नहीं रखा जा सकता। इसके लिए जनजागरूकता, कचरे का उचित निस्तारण और दौषियों की जवाबदेही तय करना जरूरी है। धार्मिक सामग्री को नदी में फेंकने के बजाय निर्धारित स्थानों पर निस्तारित करने की व्यवस्था अपनानी चाहिए, ताकि मां बेतवा की स्वच्छता और पर्यावरण सुरक्षित रह सके।

ट्राइडेंट की दीपावली महामेगा सेल शुरू

2 नवंबर तक खरीदारी पर मिलेगी छूट

नर्मदापुरम/बुधनी। दोपहर मेट्रो

दीपावली के अवसर पर ट्राइडेंट लिमिटेड, बुधनी की दीपावली महामेगा सेल-2026 का शुभारंभ एसडीएम संजीव कुमार नागू ने किया। क्षेत्रवासियों की मांग को देखते हुए इस वर्ष मेले की अवधि बढ़ाकर 10 दिन कर दी गई है। मेला 2 नवंबर तक प्रतिदिन सुबह 11 बजे से रात 9 बजे तक चलेगा। मेले में होम टेक्सटाइल उत्पादों की विस्तृत रेंज विशेष छूट के साथ उपलब्ध है। इसमें सिंगल-डबल बेडशीट, टॉवल, पिलो, पिलो कवर, दोहर, कंबल और रजाई सहित कई उत्पाद शामिल हैं। खरीदारी के साथ मनोरंजन के लिए प्रतिदिन सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। बच्चों के लिए झूले और खानपान के शौकीनों के लिए

विभिन्न व्यंजनों के स्टॉल भी लगाए गए हैं।

बुधनी को वैश्विक पहचान दिलाने में ट्राइडेंट का योगदान

उद्घाटन अवसर पर एसडीएम संजीव कुमार नागू ने ट्राइडेंट लिमिटेड के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि कंपनी ने बुधनी और आसपास के क्षेत्र को वैश्विक पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कर्मचारियों की मेहनत और लगन से तैयार विश्वस्तरीय गुणवत्ता वाले उत्पाद उपभोक्ताओं की पसंद बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन कंपनी और उपभोक्ताओं के बीच संपर्क बढ़ाने के साथ लोगों को गुणवत्तापूर्ण उत्पाद खरीदने का अवसर भी प्रदान करते हैं।

फिरौती के चार मामलों में आरोपी गैंगस्टर हैरी बॉक्सर पर शिकंजे की तैयारी, लुकआउट सर्कुलर जारी करवाएगी इंदौर क्राइम ब्रांच

कारोबारियों से विदेशी नंबरों से मांगी गई थी रकम, टाइगर श्रॉफ फायरिंग केस के आरोपी प्रांजल की गिरफ्तारी के बाद जांच तेज

इंदौर। दोपहर मेट्रो
टाइगर श्रॉफ फायरिंग मामले में सोनीपत निवासी प्रांजल की गिरफ्तारी के बाद इंदौर क्राइम ब्रांच ने लॉरेंस गैंग से जुड़े मामलों की जांच तेज कर दी है। विदेश में बैठकर गैंग संचालित करने के आरोपी हैरी बॉक्सर के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर (एलओसी) जारी करवाने की तैयारी की जा रही है। इंदौर में फिरौती मांगने से जुड़े चार मामले क्राइम ब्रांच और तुकोगंज थाने में दर्ज हैं, जिनमें हैरी बॉक्सर को आरोपी बनाया गया है।



एडीसीपी क्राइम राजेश दंडेलिया के अनुसार, इन मामलों की जांच के लिए हैरी

बॉक्सर की गिरफ्तारी महत्वपूर्ण है। एलओसी जारी होने से उसकी भारत आने-जाने की गतिविधियों पर नजर रखने और देश पहुंचने पर संबंधित एजेंसियों को सूचना देने में मदद मिलेगी। पुलिस के मुताबिक, हैरी बॉक्सर ने विदेशी नंबरों से फोन कर जमीन कारोबारी विवेक दम्माणी, कुंवरसिंह, संजय जैन और एक अन्य कॉलेज संचालक से रुपये मांगे थे। इन मामलों में पुलिस अब तक सात आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है।

प्रांजल की छह दिन की रिमांड मांगी
उधर, टाइगर श्रॉफ फायरिंग मामले में गिरफ्तार प्रांजल को मुंबई क्राइम ब्रांच ने रविवार को कोर्ट में पेश किया। जांच एजेंसी ने पूछताछ के लिए छह दिन की पुलिस रिमांड मांगी है। जांच के अनुसार, फायरिंग की घटना से जुड़े आरोपियों और हथियारों की व्यवस्था में उसकी भूमिका की पड़ताल की जा रही है। वह गिरफ्तारी से पहले पांच दिन इंदौर में रुका था। उसके सोशल मीडिया अकाउंट पर हथियारों के साथ तस्वीरें भी सामने आई हैं।

समाज की एकजुटता से मिलेगी मजबूती, बैठक में बनी रणनीति



कोतमा। केवट समाज मंगल भवन में केवट समाज विकास समिति एवं विंध्य क्षेत्र माझी आदिवासी महासंघ (केवट, ढीमर, भोई, मल्लाह) की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। इसमें समाज की एकजुटता, संगठन की मजबूती और सामाजिक विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। बैठक में अब तक किए गए कार्यों और सामाजिक गतिविधियों की समीक्षा की गई। साथ ही समाज को संगठित करने, आपसी सहयोग बढ़ाने और सामूहिक प्रयासों से विकास कार्यों को आगे बढ़ाने पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में जिले के पदाधिकारी और कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित रहे।

आंगनवाड़ी भर्ती में नौकरी के नाम पर पैसे मांगे तो रहें

सावधान, एडवाइजरी जारी

जनसुनवाई में शिकायत के बाद महिला एवं बाल विकास विभाग अलर्ट

अनूपपुर। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका के पदों पर भर्ती के नाम पर अनधिकृत राशि मांगने की शिकायत सामने आने के बाद महिला एवं बाल विकास विभाग ने आवेदिकाओं के लिए एडवाइजरी जारी की है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि भर्ती प्रक्रिया निर्धारित ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से मेरिट के आधार पर होती है। निर्धारित आवेदन शुल्क के अतिरिक्त किसी प्रकार की राशि नहीं देनी होती।

जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि जनसुनवाई के दौरान भर्ती के नाम पर पैसे मांगने की शिकायत प्राप्त हुई थी। इसके बाद आवेदिकाओं को सतर्क रहने और किसी भी व्यक्ति, दलाल या बिचौलिए के झांसे में नहीं आने की सलाह दी गई है। विभाग ने कहा कि नियुक्ति या चयन का भरोसा दिलाकर यदि कोई पैसे मांगता है, तो उसे राशि न दें और तत्काल इसकी सूचना संबंधित कार्यालय को दें।

यहां करें शिकायत

विभाग के अनुसार, पैसे मांगने वाले व्यक्ति की शिकायत कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग, संयुक्त कलेक्टर परिसर, कक्ष क्रमांक 82 एवं 83, अनूपपुर में की जा सकती है। विभाग ने आवेदिकाओं से अपील की है कि वे भर्ती संबंधी जानकारी के लिए केवल निर्धारित ऑनलाइन प्रक्रिया और आधिकारिक सूचनाओं पर भरोसा करें। शिकायत मिलने पर मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जा सकेगी।

न्यूज विंडो

‘वोट बचाओ, देश बचाओ’ अभियान को बूथ स्तर तक ले जाएगी कांग्रेस



नरसिंहपुर। कांग्रेस ने मतदाता सूची की शुद्धता और पात्र नागरिकों के मताधिकार की रक्षा के लिए ‘वोट बचाओ, देश बचाओ’ अभियान को बूथ स्तर तक चलाने की घोषणा की है। सांसद एवं एआईसीसी पर्यवेक्षक कल्याण काले ने नरसिंहपुर में प्रेस वार्ता में बताया कि अभियान के तहत 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में महारैली आयोजित की जाएगी। जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुनीता पटेल ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान मतदाता सूची में हुए बदलावों की परदर्शी जांच जरूरी है। कांग्रेस 25 अक्टूबर से 25 नवंबर तक घर-घर संपर्क, चौपाल और संगठनात्मक बैठकों के जरिए मतदाता सूचियों की जांच करेगी तथा शिकायतें संबंधित निर्वाचन अधिकारियों तक पहुंचाएगी। कांग्रेस के अनुसार, मध्य प्रदेश की अंतिम मतदाता सूची में पुनरीक्षण के दौरान 34.25 लाख से अधिक नाम हटाए गए। पार्टी ने पात्र मतदाताओं के नामों की जांच और शिकायतों के समयबद्ध निराकरण की मांग की। अभियान के अगले चरण में 25-26 नवंबर को ‘दिल्ली चलो’ कार्यक्रम भी प्रस्तावित है।

वोटर लिस्ट की रखवाली करेंगे कांग्रेस कार्यकर्ता और घर-घर पहुंचाएंगे ‘वोट बचाओ’ अभियान



सागर। ‘वोट बचाओ, देश बचाओ’ अभियान के तहत सागर जिला शहर और ग्रामीण कांग्रेस कमेटी की संयुक्त बैठक एक मैरिज गार्डन में हुई। बैठक में एआईसीसी के मुख्य ऑब्जर्वर एवं विधायक अमित सुभाषराव झनक और सह-प्रभारी, पूर्व मंत्री लखन घनघोरिया मौजूद रहे।

एआईसीसी ऑब्जर्वर की मौजूदगी में शहर और ग्रामीण कांग्रेस की संयुक्त बैठक

महेश जाटव और ग्रामीण अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह मुहसा ने की। मुख्य ऑब्जर्वर झनक ने कहा कि यह अभियान लोकतंत्र और संविधान की रक्षा का आंदोलन है। उन्होंने भाजपा सरकार पर चुनाव आयोग के साथ मिलकर वोट चोरी करने का आरोप लगाया। घनघोरिया ने कार्यकर्ताओं से मतदाता सूची की निगरानी करने की अपील की। महेश जाटव ने कहा कि अभियान शहर के हर वार्ड और बूथ तक पहुंचाया जाएगा। वहीं, मुहसा ने ग्रामीण क्षेत्रों में मतदाता सूची की जांच के लिए गांव-गांव अभियान चलाने की बात कही। बैठक में 1 नवंबर 2026 को दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाली महारैली की तैयारियों पर चर्चा हुई। इस दौरान अनेक कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सुखदेवानंद की जमीन पर अवैध खनन का आरोप

अनूपपुर। जिले के पुष्पराजगढ़ क्षेत्र में सुखदेवानंद की भूमि पर बिना वैध अनुमति बॉक्सइट खनन किए जाने का मामला सामने आया है। शिकायतकर्ता के अनुसार, खनन गतिविधियों की जानकारी खनिज विभाग अनूपपुर को दी गई, लेकिन इसके बावजूद अब तक प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई है। मामले में विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। शिकायतकर्ता ने मांग की है कि संबंधित भूमि का तत्काल निरीक्षण और सीमांकन कराया जाए। साथ ही मौके पर पंचनामा तैयार कर खनन की मात्रा का आकलन किया जाए तथा जिम्मेदार लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई हो। सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि खनन की अनुमति नहीं थी, तो भूमि पर मशीनों से खनन किसके संरक्षण में किया गया। मामले में विभागीय जांच और कार्रवाई की मांग की जा रही है।

मेट्रो एंकर

ग्वालियर। दोपहर मेट्रो

पराली जलाने की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए कलेक्टर ने सख्ती बढ़ा दी है। कृषि विभाग की गांवों में निगरानी करने, किसानों को पराली जलाने से रोकने और उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई कर रोजाना रिपोर्ट देने के निर्देश दिए गए हैं। अनुभाष स्तर पर एसडीएम के नेतृत्व में समितियां भी बनाई गई हैं। 15 सितंबर से 24 अक्टूबर तक जिले में पराली जलाने की नौ घटनाएं सामने आई हैं। हालांकि, इस अवधि में संबंधित किसानों की पहचान और कार्रवाई नहीं होने पर सवाल उठे हैं। अब कृषि विभाग के मैदानी कर्मचारियों को रोजाना बताना होगा कि कितने किसानों को समझाया, कितनों को पराली जलाने

ग्वालियर में 24 अक्टूबर तक पराली जलाने की 9 घटनाएं, अब जुर्माना भी लगाया जाएगा

पराली जलाने पर कलेक्टर सख्त, अब रोज देनी होगी कार्रवाई की रिपोर्ट



से रोका और कितने मामलों में कार्रवाई की गई। उप संचालक कृषि इन सूचनाओं को संकलित कर कलेक्टर को रिपोर्ट देंगे। पराली प्रबंधन के नियमों के उल्लंघन पर शनिवार को भितरवार के खेड़ा टांका गांव में कार्रवाई की गई। यहां हरदयाल सिंह बिना स्ट्रामैनैजमेंट सिस्टम (एसएमएस) लगाए हार्वेस्टर से धान की कटाई कर रहे थे। प्रशासन ने उन पर 2500 रुपये का जुर्माना लगाया। उप संचालक कृषि भानु प्रकाश शर्मा के अनुसार, मैदानी कर्मचारियों को किसानों को जागरूक करने और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन का उद्देश्य पराली जलाने की घटनाओं को रोकना और पर्यावरण प्रदूषण पर नियंत्रण करना है।

स्ट्रामैनैजमेंट सिस्टम (एसएमएस) हार्वेस्टर में लगाया जाने वाला उपकरण है, जो धान की कटाई के दौरान पराली को छोटे टुकड़ों में काटकर खेत में फैला देता है। इससे फसल अवशेषों का खेत में ही प्रबंधन करने में मदद मिलती है और पराली जलाने की जरूरत कम हो सकती है। प्रशासन के निर्देशानुसार, एसएमएस के बिना हार्वेस्टर से धान की कटाई नहीं की जानी चाहिए। यह उपकरण महंगा होने के कारण कुछ संचालक इसे लगवाने से बचते हैं। कृषि विभाग ने इस बार एसएमएस लगवाने पर अनुदान देने की घोषणा की है, ताकि किसान और हार्वेस्टर संचालक फसल अवशेषों का उचित प्रबंधन कर सकें।

पिछले साल करीब 100 किसानों पर जुर्माना

पिछले साल जिले में पराली जलाने के मामलों में करीब 100 किसानों पर जुर्माना लगाया गया था, जबकि 12 किसानों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। इस बार 15 सितंबर से 24 अक्टूबर के बीच पराली जलाने की नौ घटनाएं दर्ज हुई हैं। कलेक्टर ने इस बार निगरानी व्यवस्था को मजबूत करते हुए कृषि विभाग से रोजाना कार्रवाई का ब्योरा मांगा है। मैदानी कर्मचारियों को किसानों को जागरूक करने, पराली जलाने से रोकने और नियमों का उल्लंघन होने पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

धार में एसआईआर के बाद 1.01 लाख मतदाता कम, कांग्रेस ने उठाए सवाल

जिलाध्यक्ष स्वतंत्र जोशी का आरोप-संवैधानिक संस्थाओं के कामकाज में हस्तक्षेप कर रही भाजपा सरकार

धार। दोपहर मेट्रो

विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद मतदाता सूची में नामों की संख्या घटने को लेकर जिला कांग्रेस ने सवाल उठाए हैं। रविवार को जिला कांग्रेस कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में जिलाध्यक्ष स्वतंत्र जोशी ने दावा किया कि धार जिले में 1,01,836 और मध्यप्रदेश में 34 लाख से अधिक मतदाताओं की संख्या कम हुई है। उन्होंने निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और पात्र मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा की मांग की।

जोशी के अनुसार, एसआईआर से पहले प्रदेश में 5 करोड़ 74 लाख 6 हजार 143 मतदाता दर्ज थे, जबकि अंतिम सूची में यह संख्या घटकर 5 करोड़ 39 लाख 81 हजार 65 रह गई। धार जिले में भी मतदाताओं की संख्या 17 लाख 963 से घटकर 15 लाख 99 हजार 127 रह



गई। कांग्रेस ने नाम हटाने के कारणों का विधानसभा क्षेत्र और मतदान केंद्रवार विवरण सार्वजनिक करने तथा पात्र मतदाताओं के नाम हटने की शिकायतों की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। जोशी ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार संवैधानिक संस्थाओं के कामकाज में हस्तक्षेप कर रही है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची का शुद्धिकरण भी मतदाताओं की संख्या 17 लाख 963 से घटकर 15 लाख 99 हजार 127 रह

गई। कांग्रेस ने नाम हटाने के कारणों का विधानसभा क्षेत्र और मतदान केंद्रवार विवरण सार्वजनिक करने तथा पात्र मतदाताओं के नाम हटने की शिकायतों की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। जोशी ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार संवैधानिक संस्थाओं के कामकाज में हस्तक्षेप कर रही है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची का शुद्धिकरण भी मतदाताओं की संख्या 17 लाख 963 से घटकर 15 लाख 99 हजार 127 रह

साइबर ठगों ने 4 रुपए रिफंड के चक्कर में 98 हजार की ठग लिए

जबलपुर। दोपहर मेट्रो

महाकाल क्षेत्र के जबलपुर शहर में साइबर ठगों की सक्रियता कम नहीं हो रही है। एक बार फिर से साइबर अपराध से जुड़ा एक अनूठा मामला सामने आया है। यहां साइबर ठगों ने शहर में चार लोगों के बैंक खातों से करीब 3.63 लाख रुपए उड़ा दिए हैं। ठगी के शिकार लोगों में एक शासकीय शिक्षक भी शामिल हैं।

जानकारी मिली है कि महाराजपुर के हाउसिंग बोर्ड सुभाष नगर निवासी सविता मायकल (48) ने ई-कामर्स कंपनी से बैंग आर्डर किया था। डििलीवरी के दौरान 526 रुपए के बजाय 530 रुपए लिए जाने पर उन्होंने इंटरनेट से कंपनी का हेल्पलाइन नंबर खोजकर संपर्क किया। रिफंड का आश्वासन मिलने के कुछ ही दिन बाद उनके खाते से 98 हजार रुपये दूसरे खाते में ट्रांसफर हो गए। अधारताल थाना क्षेत्र के बीजासेन माता मंदिर के पास रहने वाले दुर्गा प्रसाद मिश्रा (47), पनागर शासकीय उच्च विद्यालय में शिक्षक हैं। 21 अक्टूबर



को उनके दो बैंक खातों से पांच ट्रांजेक्शन हुए। इनके जरिए अज्ञात आरोपी ने एक लाख सात हजार रुपये निकाल लिए गए। जबकि उन्होंने खुद कोई ट्रांजेक्शन नहीं किया था।सुहागी निवासी राहुल चौबे (29) के बैंक आफ इंडिया खाते में अज्ञात ने लगातार दो दिन सेंध लगाई। 12 और 13 अक्टूबर को तीन ट्रांजेक्शन में एक लाख 28 हजार रुपये दूसरे खाते में ट्रांसफर कर लिए गए। वहीं, माढ़ेताल की ग्रीन सिटी निवासी आकाश कुमार (30) के खाते से सात अक्टूबर को 30 हजार रुपए उड़ा दिए गए। पुलिस इस मामले की सक्रियता से जांच कर रही है।

महाराजा दमघोष जयंती आज, मेधावी विद्यार्थियों का होगा सम्मान

तेंदूखेड़ा। चंद्रवंशीय क्षत्रिय घोषी समाज तेंदूखेड़ा (जबेरा) के तत्वावधान में 26 अक्टूबर को महाराजा दमघोष जयंती समारोह आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में सामाजिक सभा, चल समारोह और मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान होगा। समारोह की शुरुआत चौरई स्थित खेस्मात मंदिर में पूजन एवं एकत्रीकरण से होगी। आरुष स्कूल से चल समारोह निकलेगा, जो नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरेगा। दोपहर 1 बजे सामाजिक सभा और 3:30 बजे मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान किया जाएगा। शाम 4:30 बजे प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन होगा। आयोजन समिति ने चौरई, जंबेरा, पाटन, खकरिया सहित आसपास के क्षेत्रों के समाजबंधुओं से समारोह में शामिल होने की अपील की है।

हार्दिक की कमी के लिए भारत का नया प्लान, एक खिलाड़ी पर निर्भरता घटाने की तैयारी

तीन युवा संभालेंगे जिम्मेदारी! तिलक, नमन-नीतीश ने दिखाया दम

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम के लिए हार्दिक पंड्या जैसा हरफनमौला खिलाड़ी तलाशना आसान नहीं है। बल्लेबाजी में बड़े शॉट लगाने, गेंदबाजी में चार ओवर की जिम्मेदारी निभाने और दबाव के बीच मुकाबला खत्म करने की क्षमता हार्दिक को खास बनाती है। ऐसे में उनके अनुपलब्ध होने पर टीम का संतुलन बनाए रखना चयनकर्ताओं और टीम प्रबंधन के सामने बड़ी चुनौती रहता है। हालांकि, न्यूजीलैंड के खिलाफ क्राइस्टचर्च में खेले गए दूसरे टी-20 मुकाबले में तिलक वर्मा, नमन धीर और नीतीश कुमार रेड्डी ने दिखाया कि भारत इस चुनौती से निपटने के लिए एक खिलाड़ी के बजाय तीन युवाओं की ताकत पर भरोसा कर सकता है।

मुश्किल में फंसी टीम, युवाओं ने पलट दिया मुकाबला-

न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी-20 अंतरराष्ट्रीय

मुकाबले में भारत को जीत के लिए 181 रन बनाने थे। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम एक समय 70 रन पर पांच विकेट गंवाकर संकट में थी। न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने अपनी फिरकी से भारतीय बल्लेबाजों को खूब परेशान किया। उन्होंने चार ओवर में 21 रन देकर चार विकेट झटके और मुकाबले पर न्यूजीलैंड की पकड़ मजबूत कर दी।

ऐसे समय में नमन धीर ने 17 गेंदों पर 31 रन बनाकर भारत की वापसी की उम्मीद जगाई। उनके आक्रामक अंदाज ने रन गति को बढ़ाया। धीर के आउट होने के बाद तिलक वर्मा और नीतीश कुमार रेड्डी ने मोर्चा संभाला। तिलक ने 26 गेंदों पर नाबाद 51 रन बनाए, जबकि रेड्डी ने 13 गेंदों पर नाबाद 26 रन की तेज पारी खेली। दोनों के बीच सातवें विकेट के लिए 69 रन की अटूट साझेदारी हुई।

तिलक वर्मा-दबाव में पारी संभालने और मैच जिताने का दम

तिलक वर्मा ने अपनी पारी से साबित किया कि वह मुश्किल परिस्थितियों में भी धैर्य बनाए रखते हुए तेजी से रन बना सकते हैं। जब लगातार विकेट गिर रहे थे, तब उन्होंने जल्दबाजी करने के बजाय सही गेंद का इंतजार किया और जरूरत के मुताबिक आक्रामक रुख अपनाया। न्यूजीलैंड के गेंदबाजों ने उन्हें रोकने के लिए मैदान की सजावट और गेंदबाजी की दिशा में बदलाव किए, लेकिन तिलक ने अपनी समझदारी से इन योजनाओं का जवाब दिया। उनकी बल्लेबाजी मध्यक्रम को मजबूती देने के साथ मुकाबले के अंतिम ओवरों में टीम को जीत तक पहुंचाने में भी उपयोगी साबित हो सकती है। हालांकि, उनकी मुख्य भूमिका बल्लेबाज की है, इसलिए उन्हें हार्दिक का सीधा विकल्प मानना सही नहीं होगा।

नमन धीर: बेखौफ अंदाज से बदल सकते हैं मैच का रुख

नमन धीर ने उस समय तेजी से रन बनाए, जब भारतीय टीम पर विकेट बचाने और लक्ष्य के करीब पहुंचने का दबाव था। उन्होंने रिपन गेंदबाजों के खिलाफ आक्रामक बल्लेबाजी की और सैंटनर के खिलाफ छक्का लगाकर अपनी क्षमता दिखाई। धीर की खासियत यह है कि वह बल्लेबाजी के साथ गेंदबाजी का विकल्प भी दे सकते हैं। इससे टीम को अतिरिक्त संतुलन मिल सकता है। हालांकि, हार्दिक की तरह नियमित रूप से चार ओवर गेंदबाजी करने की जिम्मेदारी निभाने के लिए उन्हें अपनी गेंदबाजी में निरंतरता साबित करनी होगी।

नीतीश रेड्डी: हरफनमौला भूमिका में सबसे अहम दावेदार

नीतीश कुमार रेड्डी इस तिकड़ी में ऐसे खिलाड़ी हैं, जिनसे बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में योगदान की उम्मीद की जा सकती है। तेज गेंदबाजी करने वाले रेड्डी निचले मध्यक्रम में तेजी से रन बनाने की क्षमता भी रखते हैं। दूसरे टी-20 में उन्होंने केवल 13 गेंदों पर नाबाद 26 रन बनाकर अपनी उपयोगिता साबित की। दबाव के बीच तिलक का साथ देना और अंत तक टिके रहना उनकी परिपक्वता को दिखाता है।

2027 विश्व कप पर भी नजर न्यूजीलैंड से भिड़ने विराट ने कसी कमर, नेट्स पर दो घंटे बहाया पसीना

मुंबई। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी एकदिवसीय श्रृंखला के लिए अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। मुंबई के ब्रेबोर्न स्टेडियम स्थित क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया में कोहली ने करीब दो घंटे तक नेट्स पर बल्लेबाजी का अभ्यास किया। इस दौरान वह शानदार लय में दिखाई दिए और उन्होंने अपने चिर-परिचित अंदाज में आकर्षक शॉट लगाए। तेज गेंदबाजों और स्पिनरों के सामने उनके संतुलन, टाइमिंग और फुटवर्क ने अभ्यास सत्र को खास बनाया। आगामी श्रृंखला के साथ 2027 में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप को देखते हुए कोहली की तैयारियां भारतीय टीम के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही हैं।

तेज गेंदबाजों और स्पिनरों के सामने आजमाए हाथ- कोहली ने लाल मिट्टी की पिच पर अभ्यास करते हुए तेज गेंदबाजों और स्पिनरों, दोनों का सामना किया। उन्होंने कवर की दिशा में शानदार ड्राइव लगाए, जबकि बैकफुट पर रहकर रक्षात्मक शॉट खेलने का भी अभ्यास किया। स्पिनरों के खिलाफ उन्होंने पैरों का इस्तेमाल करते हुए गेंद की लंबाई के अनुसार अपने शॉट्स में बदलाव किया।

मनोरंजन बॉलीवुड का कोना

बैचलर पार्टी डी यू में ज्योतिर्मयी निभाएंगी पॉली का किरदार, 19 को रिलीज होगी फिल्म

मुंबई। मलयालम फिल्ममेकर अमल नीरद की अपकमिंग फिल्म बैचलर पार्टी डी यू को लेकर दर्शकों के बीच काफी उत्साह है। अब मेकर्स ने फिल्म में एक्ट्रेस ज्योतिर्मयी के किरदार का नाम भी सामने ला दिया है। वह फिल्म में पॉली के किरदार में नजर आएंगी। डायरेक्टर अमल नीरद ने सोशल मीडिया पर यह जानकारी देते हुए लिखा, ज्योतिर्मयी इज पॉली। यह फिल्म साल 2012 में रिलीज हुई अमल नीरद की सफल फिल्म बैचलर पार्टी का सीक्वल है। यही वजह है कि फिल्म को लेकर फैस के बीच खास दिलचस्पी बनी हुई है। सूत्रों के मुताबिक, नई फिल्म की कहानी पिछली फिल्म से जुड़ी होगी, लेकिन इसमें कई नए किरदार भी देखने को मिलेंगे। बैचलर पार्टी डी यू में एक बड़ी स्टारकास्ट नजर आएगी। फिल्म में प्रेमलु से देशभर में पहचान बनाने वाले एक्टर नसलेन

लीड रोल में हैं। उनके अलावा कुंचाको बोनन, टोविनो थॉमस, सौबिन शाहिर, श्रीनाथ भासी, शराफुद्दीन, शाइन टॉम चाको, चंदू सलीमकुमार, रजीशा विजयन, हंसिका कृष्णा और पेरिस लक्ष्मी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। मेकर्स इससे पहले फिल्म में नादिया मोइदू और रजीशा विजयन के किरदारों के नाम का भी खुलासा किया था। नादिया फिल्म में अन्ना मैथ्यूज का किरदार निभा रही हैं, जबकि रजीशा विजयन सिंपल के रोल में दिखाई देंगी। फिल्म में शाइन टॉम चाको गुरु, चंदू सलीमकुमार मम्मु, श्रीनाथ भासी जावी और शराफुद्दीन पप्पन के किरदार में नजर आएंगे। वहीं, सौबिन शाहिर फिल्म में डैनी की भूमिका निभा रहे हैं।

मेकर्स ने अब तक बनाए रखा सरपेंस

हालांकि, टोविनो थॉमस के किरदार को लेकर मेकर्स ने अब तक सरपेंस बनाए रखा है। फिल्म से उनका लुक सामने आ चुका है, लेकिन उनके किरदार का नाम नहीं बताया गया है। टोविनो के पोस्टर जारी करते हुए अमल नीरद ने मशहूर अंग्रेजी नाटककार विलियम शेक्सपियर की एक पंक्ति भी लिखी थी, हेल इज एम्प्टी एंड ऑल द डेविल्स आर हियर। इस पंक्ति का मतलब है कि नरक खाली है और सारे शैतान यहां मौजूद हैं। डायरेक्टर की इस पोस्ट ने फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ा दी है।

जॉन डो में सृष्टि के किरदार से उठा पर्दा अर्जुन दास की फिल्म में बनेंगी दर्शना

काफी है? मिलिए जॉन डो की दुनिया की दर्शना से। बता दें कि फिल्म में अर्जुन दास चंद्र नाम के किरदार में नजर आएंगे। एक्टर ने कुछ समय पहले फिल्म से अपना फर्स्ट लुक पोस्टर शेयर किया था। इसके साथ उन्होंने लिखा था, नान पोटुमा (क्या मैं काफी हूँ) यह एक ऐसा सवाल है जो चंद्र को परेशान करता है। अर्जुन ने बताया कि शायद यह सवाल हम सभी ने कभी न कभी खुद से पूछा होगा। चंद्र के किरदार की तलाश के दौरान उन्हें भी अपने अंदर इस किरदार

की कुछ झलक देखने को मिली। फिल्म में संचना नटराजन फीमेल लीड रोल में हैं। वहीं, जारा विनोद चंदोके और नीरव भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। जॉन डो को लेकर दर्शकों की दिलचस्पी की एक बड़ी वजह यह भी है कि अर्जुन दास पहली बार अपने करियर में एक पुलिस अफसर का किरदार निभाते दिखाई देंगे। फिल्म को अर्का मीडिया वर्क्स प्रोड्यूस कर रहा है, जो इससे पहले पैन इंडिया ब्रॉडकबस्टर बाहुबली का निर्माण कर चुका है।

वीबी-जी राम जी योजना में 10.88 करोड़ श्रमिकों का पंजीकरण

लगभग 2.23 करोड़ ग्रामीण परिवारों के 2.81 करोड़ से अधिक श्रमिकों को मांग के अनुसार रोजगार प्रदान किया गया और लगभग 97.17 लाख श्रमिकों पर वर्तमान में कार्य चल रहा है। बयान में कहा गया है, ःवीबी-जी राम जी रोजगार, सहभागी योजना और ग्रामीण विकास को एक साथ लाता है। वीजीपीपी के माध्यम से, ग्राम पंचायतें स्थानीय जरूरतों की पहचान करती हैं, मौजूदा संपत्तियों का मानचित्रण करती हैं और विकास कार्यों को प्राथमिकता देती हैं। प्रौद्योगिकी, समन्वय और डिजिटल प्रणालियां कार्यान्वयन,

पारदर्शिता और जवाबदेही को मजबूत करती हैं। यह ढांचा रोजगार को सतत परिसंपत्ति सृजन से जोड़ता है, जिससे लचीली आजीविका और एकीकृत ग्रामीण विकास को समर्थन मिलता है।बयान में कहा गया है कि 73.24 लाख स्वीकृत परियोजनाएं भविष्य की रोजगार मांग को पूरा करने के लिए उपलब्ध हैं और लगभग 20.16 लाख सक्रिय कार्यस्थल कार्यरत हैं। देश भर में लगभग 2.31 लाख ग्राम पंचायतें कार्य संपन्न कर रही हैं, और 2026-27 में 3.76 करोड़ प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण लेनदेन दर्ज किए गए हैं।

चुनौतियों के बावजूद भारत का चावल निर्यात मजबूत वैश्विक फूड सिक्योरिटी में हमारी भूमिका और बढ़ी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित भारत अंतरराष्ट्रीय चावल सम्मेलन 2026 के दौरान उद्योग जगत, निर्यातकों, नीति निर्माताओं और कृषि क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों ने एक सुरु में कहा कि भारत न केवल दुनिया का सबसे बड़ा चावल निर्यातक है, बल्कि वैश्विक खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में भी उसकी भूमिका लगातार बढ़ रही है। सम्मेलन के दौरान एपीडा, राइस एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन और कई अन्य संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने चावल उद्योग से जुड़ी चुनौतियों, अवसरों और भविष्य की रणनीतियों पर आईएनएएस से विस्तार से बात की।

वाणिज्य मंत्रालय के अंतर्गत एपीडा के महाप्रबंधक तरुण बजाज ने आईएनएएस से बात करते हुए कहा कि भारत अंतरराष्ट्रीय चावल सम्मेलन धीरे-धीरे दुनिया के सबसे बड़े चावल-केंद्रित आयोजनों में बदलता जा रहा है। उन्होंने कहा, भारत वैश्विक चावल निर्यात में लगभग 40 प्रतिशत हिस्सेदारी रखता है और दुनिया का निर्विवाद नेता है। ऐसे में भारत में ऐसा मंच होना जरूरी है, जहां किसान से लेकर उपभोक्ता तक पूरी वैश्वीय चेन के लोग एक साथ बैठकर चुनौतियों और समाधानों पर चर्चा कर सकें। उन्होंने आगे कहा कि अभी सबसे बड़ी चुनौती लॉजिस्टिक्स की है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज और रेड सी जैसे क्षेत्रों में तनाव के कारण जहाजों की आवाजाही प्रभावित हुई है, शिपिंग समय बढ़ा है, बीमा लागत बढ़ी है और परिवहन शुल्क कई गुना तक बढ़ गए हैं। इसके बावजूद भारत सरकार, राज्य सरकारों और उद्योग जगत के संयुक्त प्रयासों से निर्यात को सुचारू बनाए रखने की कोशिश जारी है। उन्होंने कहा कि चावल केवल एक व्यापारिक उत्पाद नहीं बल्कि कई देशों की खाद्य सुरक्षा से जुड़ा मुद्दा है और भारत एक जिम्मेदार देश के रूप में अपनी जरूरतें पूरी करने के साथ-साथ आयातक देशों की खाद्य सुरक्षा का भी ध्यान रख रहा है।

लंकन, एजेंसी

इंडिया-ए के बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल ने न्यूजीलैंड-ए के खिलाफ पहले अनौपचारिक टेस्ट मुकाबले में अपने बल्ले की ताकत दिखाते हुए शानदार पारी खेली। वह दोहरे शतक से महज एक रन दूर रह गए, लेकिन उनकी 199 रनों की विस्फोटक पारी ने भारतीय टीम को मुश्किल परिस्थितियों से उबार दिया। साई सुदर्शन ने भी बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 91 रन बनाए। दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट के लिए हुई 215 रनों की साझेदारी ने न्यूजीलैंड-ए के गेंदबाजों को पूरी तरह दबाव में ला दिया। चार दिवसीय मुकाबले के तीसरे दिन 26 अक्टूबर को भारतीय बल्लेबाजों ने दमदार प्रदर्शन कर मैच में वापसी की उम्मीदें जगा दीं।

न्यूजीलैंड के बर्ट सटक्लिफ ओवल मैदान पर खेले जा रहे मुकाबले में देवदत्त पडिक्कल ने अपनी बल्लेबाजी से सभी का ध्यान खींचा। उन्होंने 248 गेंदों का सामना करते हुए 199 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से 24 चौके और तीन छक्के निकले। वह अपने दोहरे शतक से केवल एक रन दूर थे, तभी जैक गिब्सन की गेंद पर विकेटकीपर मिचेल हे ने उनका कैच लपक लिया। इस तरह पडिक्कल की शानदार पारी का अंत हुआ। हालांकि, वह अपनी बल्लेबाजी से इंडिया-ए को मजबूत स्थिति में पहुंचाने में सफल रहे। यह उनके प्रथम श्रेणी क्रिकेट करियर का 12वां शतक रहा। उनकी पारी में धैर्य, आक्रामकता और बड़े स्कोर तक पहुंचने की क्षमता का बेहतरीन मेल देखने को मिला।

जिम्मेदारी संभालकर तीसरे विकेट के लिए जोड़े 215 रन

इंडिया-ए की दूसरी पारी की शुरुआत बेहद खराब रही। सलामी बल्लेबाज केंपल राहुल चार और यशस्वी जायसवाल पांच रन बनाकर पवेलियन लौट गए। महज 10 रन के स्कोर पर दो विकेट गिरने से भारतीय टीम मुश्किल में दिखाई दे रही थी। ऐसे समय में पडिक्कल और साई सुदर्शन ने जिम्मेदारी संभाली। दोनों ने संभलकर बल्लेबाजी करने के साथ खराब गेंदों पर प्रहार भी किए। साई सुदर्शन ने 184 गेंदों पर 91 रन बनाए, जिसमें 12 चौके शामिल रहे। दोनों बल्लेबाजों ने तीसरे विकेट के लिए 215 रनों की साझेदारी कर भारतीय पारी को मजबूती दी। सुदर्शन शतक से चूक गए, लेकिन उनकी पारी ने पडिक्कल को खुलकर खेलने का मौका दिया।

यश राठौड़ ने भी निभाया साथ, पांचवें विकेट के लिए जोड़े 142 रन

साई सुदर्शन के आउट होने के बाद कप्तान ध्रुव जुरेल से बड़ी पारी की उम्मीद थी, लेकिन वह केवल दो रन बना सके। इसके बाद पडिक्कल को यश राठौड़ का साथ मिला। दोनों बल्लेबाजों ने पांचवें विकेट के लिए 142 रन जोड़कर भारतीय पारी को आगे बढ़ाया। राठौड़ ने 66 रनों का अहम योगदान दिया। भारतीय बल्लेबाजों के इस प्रदर्शन ने पहली पारी में लड़खड़ाई टीम को संभलने का मौका दिया। हालांकि, मुकाबले में वापसी के लिए इंडिया-ए को आगे भी इसी तरह मजबूत बल्लेबाजी की जरूरत थी।

जीत से बस एक विकेट दूर था इंग्लैंड फिर शादाब खान-हारिस रऊफ ने पलट दी बाजी, पाक को दिलाई यादगार जीत

लाहौर, एजेंसी

पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेले गए वनडे ट्राई सीरीज के मुकाबले में शादाब खान ने ऐसी पारी खेली, जिसने हारी हुई बाजी को जीत में बदल दिया। पाकिस्तानी टीम ने 154 रनों के स्कोर तक नौ विकेट गंवा दिए थे और जीत के लिए 88 रन बाकी थे. लेकिन शादाब ने हारिस रऊफ के साथ मिलकर इंग्लैंड की उम्मीदों पर पानी फेर दिया. दोनों ने दसवें विकेट के लिए नाबाद 89 रन जोड़कर पाकिस्तान को 17 गेंद बाकी रहते 1 विकेट से जीत दिलाई. साथ ही पाकिस्तानी टीम को ट्राई सीरीज के फाइनल में पहुंचा दिया.

शादाब खान ने 96 गेंदों पर नाबाद 113 रन बनाए, जिसमें 13 चौके और पांच छक्के शामिल रहे. यह उनका पहला ओडीआई शतक था. दूसरी ओर, 11वें नंबर पर बल्लेबाजी करने आए हारिस रऊफ ने सात रन बनाकर उनका साथ निभाया. इंग्लैंड को आखिरी विकेट की तलाश थी, लेकिन दोनों बल्लेबाजों ने दबाव में संयम बनाए रखा. आखिरकार रऊफ ने विजयी चौका लगाकर पाकिस्तान को यादगार जीत दिला दी.

शादाब-हारिस ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड- शादाब खान और हारिस रऊफ के बीच नाबाद 89 रनों की साझेदारी

शाहीन आफरीदी भी छाप

इससे पहले पाकिस्तान के कप्तान शाहीन शाह आफरीदी ने इंग्लैंड की पारी को 241 रनों पर समेटने में अहम भूमिका निभाई. उन्होंने 46 रन देकर चार विकेट लिए, जबकि ओडीआई डेब्यू करने वाले रजाउल्लाह ने दो विकेट हासिल किए. इंग्लैंड की शुरुआत खराब रही और टीम ने 19 रनों के स्कोर तक तीन विकेट गंवा दिए. सलामी बल्लेबाज बेन डेकट ने 111 गेंदों पर 105 रन बनाकर पारी को संभाला. सैम करन ने 42 रन बनाए और दोनों के बीच पांचवें विकेट के लिए 93 रनों की साझेदारी हुई. अंत में गस एटकिंसन ने नाबाद 36 रन जोड़कर टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया.

सफल ओडीआई रनचेज में दसवें विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी बन गई. इससे पहले यह रिकॉर्ड डेरेक मरे और एंडी रॉबर्ट्स के नाम था, जिन्होंने 1975 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ नाबाद 64 रन जोड़े थे.

‘स्वर्ग’ में बनने लगा मस्ती का माहौल



गुलमर्ग-पहलगाम में पारा माइनस में, सीजन में हुआ पहली बार

मानसून की वापसी के साथ ही मौसम में बदलाव का दौर शुरू हो गया है। उत्तर और पूर्वी भारत में सुबह और शाम के समय हवा में ठंडक घुल रही है। वहीं, बंगाल की खाड़ी में चक्रवाती तूफान का खतरा गहरा गया है। इससे कई राज्यों के मौसम में बदलाव आने की संभावना है। तूफानी हवा के साथ मूसलाधार बारिश होने का पूर्वानुमान जताया गया है। अब पहाड़ों में भी मौसम के रुख में बदलाव आने लगा है। इस सीजन में

पहली बार पहलगाम और गुलमर्ग में तापमान शून्य से नीचे चला गया। ऐसे में आने वाले समय में घाटी में बर्फबारी की संभावना प्रबल हो गई। पर्यटकों के लिए मौसम का यह तेवर खुशियों वाला साबित हो सकता है। जम्मू-कश्मीर के प्रमुख पर्यटन स्थलों पहलगाम और गुलमर्ग में इस मौसम में पहली बार न्यूनतम तापमान शून्य डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया। अधिकारियों के अनुसार, पहलगाम में न्यूनतम तापमान

शून्य से 0.3 डिग्री सेल्सियस नीचे रहा, जबकि गुलमर्ग में यह गिरकर शून्य से 0.4 डिग्री सेल्सियस नीचे पहुंच गया। दोनों पर्यटन स्थलों पर तापमान में गिरावट के साथ ठंड बढ़ने लगी है। मौसम में इस बदलाव से घाटी में सर्दियों की आहट महसूस होने लगी है। पहलगाम और गुलमर्ग पर्यटकों के पसंदीदा स्थलों में शामिल हैं। यहां तापमान में गिरावट के कारण आने वाले दिनों में ठंड और बढ़ने की संभावना है।

लद्दाख ने रचा इतिहास

देश का पहला 100% जैविक केंद्र शासित प्रदेश बना: एलजी सक्सेना

लेह। एजेंसी

लद्दाख ने जैविक खेती के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। केंद्र शासित प्रदेश के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने रविवार को लद्दाख को भारत का पहला 100 प्रतिशत जैविक केंद्र शासित प्रदेश घोषित किया। यह उपलब्धि कृषि में रासायनिक और सिंथेटिक उर्वरकों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने के बाद हासिल हुई है। उपराज्यपाल ने इस उपलब्धि

पर खुशी जताते हुए कहा कि यह लद्दाख और पूरे देश के लिए गर्व का क्षण है। यहां के किसानों ने साबित किया है कि कठिन भौगोलिक परिस्थितियों में भी पर्यावरण के अनुकूल खेती को सफल बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जैविक खेती केवल एक उपलब्धि नहीं, बल्कि हिमालय के नाजुक पर्यावरण की रक्षा, पारंपरिक कृषि पद्धतियों को संरक्षित करने और किसानों की आजीविका बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रशासन ने जुलाई में लद्दाख में कृषि कार्यों के लिए रासायनिक और सिंथेटिक उर्वरकों की खरीद, वितरण, बिक्री और इस्तेमाल पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया था। इससे पहले मार्च में किसानों को बुवाई के मौसम से पहले जैविक खाद उपलब्ध कराने के लिए गांवों में इसके वितरण की शुरुआत की गई थी।

सर्बिया में छात्रों के नेतृत्व वाले आंदोलन से चुनाव में बड़ी बढ़त, जिससे अलेक्जेंडर वुसिक के शासन का हो सकता है अंत

छात्रों ने पलटी बाजी: वुसिक की सत्ता खत्म, राष्ट्रपति ने खुद मानी हार

सर्बिया। एजेंसी

सर्बिया की राजनीति में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। करीब दो साल से सरकार के खिलाफ आंदोलन कर रहे छात्रों ने चुनाव में शानदार प्रदर्शन किया है। शुरुआती नतीजों के आधार पर लंबे समय से सत्ता में काबिज अलेक्जेंडर वुसिक ने हार मान ली है। इस चुनाव को सर्बिया के भविष्य के लिए बेहद अहम माना जा रहा है। छात्रों की अगुवाई वाले समूह को संसद में बहुमत मिलने के आसार हैं। नतीजों के शुरुआती संकेत मिलते ही राजधानी बेलग्रेड में लोगों ने जश्न मनाना शुरू कर दिया।



वुसिक ने खुद स्वीकार की हार

वुसिक ने रविवार को बेलग्रेड में अपनी पार्टी के मुख्यालय में समर्थकों को संबोधित करते हुए कहा कि शुरुआती आंकड़ों से साफ है कि उनकी पार्टी चुनाव हार रही है। वुसिक के मुताबिक, 250 सीटें वाली संसद में छात्र समर्थित समूह को 135 से 140 सीटें मिल सकती है, जबकि उनकी पार्टी को करीब 105 सीटों से संतोष करना पड़ सकता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अभी अंतिम नतीजे आने बाकी हैं।

बेलग्रेड में जश्न, लोगों में जीत की खुशी

चुनाव के शुरुआती नतीजे सामने आते ही बेलग्रेड में छात्रों और उनके समर्थकों के बीच खुशी की लहर दौड़ गई। छात्र आंदोलन के मुख्यालय में लोग 'जीत, जीत' के नारे लगाते दिखे। कहीं तालियां बज रही थीं, तो कहीं लोग एक-दूसरे को गले लगाकर खुशी जाहिर कर रहे थे। बेलग्रेड विवि के प्रोफेसर रादोमिर साइचिक ने समर्थकों को कहा कि आज लोगों की आवाज सुनी जा रही है। उन्होंने कहा कि अब देश के भविष्य को बेहतर बनाने की जिम्मेदारी भी उठानी होगी।

दो साल के आंदोलन का असर

छात्र आंदोलन पिछले दो साल से वुसिक सरकार के खिलाफ आवाज उठा रहा था। आंदोलन ने युवाओं के साथ समाज के दूसरे वर्गों का भी ध्यान खींचा। सरकार के कामकाज और वुसिक की बढ़ती सत्तावादी शैली को लेकर असंतोष इस चुनाव का अहम मुद्दा बना। वुसिक एक दशक से ज्यादा समय तक सर्बिया की राजनीति में प्रभावशाली बने रहे। पिछले महीने छात्रों के बढ़ते दबाव के बीच उन्होंने राष्ट्रपति पद छोड़ने और समय से पहले चुनाव कराने का फैसला किया था।



राजनीति के लिहाज से भी अहम माना जा रहा है, क्योंकि इससे क्षेत्र में वामपंथी विचारधारा वाले नेताओं की स्थिति मजबूत हुई है।

करीब 44 लाख वोटों से मिली जीत

ब्राजील के चुनाव अधिकारियों के मुताबिक, सभी वोटों की गिनती पूरी होने के बाद लूला को कुल 51.8 फीसदी वोट मिले। उन्होंने बोल्सोनारो को करीब 44 लाख वोटों से पीछे छोड़ दिया। नतीजों की घोषणा के बाद लूला के समर्थकों में जश्न का माहौल बन गया। साओ पाउलो में बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उतर आए, जबकि रियो डी जनेरियो में गाड़ियों के हॉर्न बजाकर जीत का जश्न मनाया गया।

न्यूज विंडो

सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर 20 लाख ठगे, बैंककर्मी महिला गिरफ्तार

हमीरपुर (हि. प्र.)। सरकारी नौकरी दिलाने का झांसा देकर बेरोजगार युवाओं और उनके परिजनों से लाखों रुपये ऐंठने के आरोप में पुलिस ने एक महिला को गिरफ्तार किया है। महिला जिले में एक बैंक में चपरासी के पद पर कार्यरत है। उसके खिलाफ सदर थाना हमीरपुर में वर्ष 2025 में धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया था। पुलिस के अनुसार, महिला के खिलाफ रामपुर, हमीरपुर और झंडूता की अदालतों से गैर जमानती वारंट जारी हुए थे। शनिवार को पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जांच में शामिल किया। महिला पर नौकरी दिलाने के नाम पर करीब 20 लाख रुपये की ठगी करने का आरोप है। मामले में एक युवक ने महिला पर ठगी के आरोप लगाए थे। इसके अलावा अन्य लोगों की शिकायतें भी पुलिस को मिली हैं। आरोपी महिला हमीरपुर जिले के एक क्षेत्र की रहने वाली है। आरोप है कि वह बेरोजगार युवाओं और उनके परिजनों को सरकारी नौकरी दिलाने का भरोसा देकर उनसे लाखों रुपये लेती थी। बताया जा रहा है कि महिला ने हमीरपुर के अलावा पालमपुर और रामपुर क्षेत्र में भी लोगों को नौकरी दिलाने का झांसा दिया था। जब नौकरी नहीं मिली और पीड़ितों ने अपने पैसे वापस मांगे तो कथित तौर पर उन्हें टालमटोल का सामना करना पड़ा।

सीआरपीएफ कर्मी का कबूलनामा: बीवी भला-बुरा कहती रही, मार डाला

रोहतक। बहुअकबरपुर के मनीषा हत्याकांड के आरोप में गिरफ्तार सीआरपीएफ में



हवलदार पति सोमबीर को पत्नी की हत्या का पछतावा है। आरोपी ने खुलासा किया है कि वारदात के दिन दोपहर बाद साढ़े तीन से पांच बजे तक मनीषा बार-बार

उसे भला-बुरा बोल रही थी। जब वह चुप नहीं हुई उसने गुस्से में आकर खुखरी (काटेदार चाकू) से वार करके उसकी हत्या कर दी थी। अगर उस समय वह गुस्से पर नियंत्रण कर लेता तो आज घर यूँ नहीं उजड़ता। रविवार को पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश कर तीन दिन के रिमांड पर लिया है। पुलिस के मुताबिक, इस्माईला-9बी निवासी बीरेंद्र ने 23 अक्टूबर को बहुअकबरपुर थाने में शिकायत दी थी कि उनकी इकलौती बहन मनीषा की 2009 में बहुअकबरपुर निवासी सोमबीर से शादी हुई थी। उनकी दो बेटियाँ हैं। एक की उम्र 17 तो दूसरी की 15 साल के करीब है।

24 घंटे के भीतर लापता नाबालिग बरामद, आरोपित गिरफ्तार

बेगूसराय। बिहार के बेगूसराय जिले के बलिया थाना क्षेत्र के बरबीधी गांव से लापता हुई नाबालिग लड़की को पुलिस ने 24 घंटे के भीतर बरामद कर लिया। इस मामले में पुलिस ने एक युवक को भी गिरफ्तार किया है। हालांकि, घटना ने नाबालिगों की सुरक्षा और ऐसी घटनाओं की रोकथाम को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। थानाध्यक्ष शैलेंद्र कुमार ने बताया कि पुलिस ने शनिवार को बलिया बाजार से नाबालिग लड़की को बरामद किया। वहीं, मामले में आरोपित युवक को भी बलिया से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार युवक की पहचान नावकोठी थाना क्षेत्र के विश्वनाथपुर निवासी अशोक साह के पुत्र रवीश कुमार के रूप में हुई है। बताया गया है कि रवीश कुमार बरबीधी गांव में अपनी बहन के यहां रहकर पढ़ाई करता था। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपित को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

कल उमर सरकार में नए चेहरों की एंट्री, लोकभवन में होगा आयोजन

राथर मंत्री तो मुबारक गुल बन सकते हैं स्पीकर, उपराज्यपाल दिलाएंगे शपथ

श्रीनगर/जम्मू। एजेंसी

उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली नेशनल कॉन्फ्रेंस सरकार के मंत्रिमंडल का पहला विस्तार मंगलवार को होगा। शपथ ग्रहण समारोह सुबह 10:30 बजे श्रीनगर स्थित लोकभवन में होगा। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा नए मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाएंगे।

पार्टी के अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला भी समारोह में मौजूद रहेंगे। विधायकों को भी आमंत्रित किया गया है। सूत्रों के मुताबिक, इस विस्तार में क्षेत्रीय संतुलन साधते हुए पुंछ, रामबन, कठुआ और उत्तरी कश्मीर को कैबिनेट में प्रतिनिधित्व दिया जा सकता है। नए फेरबदल में कश्मीर संभाग से वर्तमान विधानसभा अध्यक्ष अब्दुल रहीम राथर को कैबिनेट में शामिल किया

जा सकता है। उन्हें कुछ अहम विभागों की जिम्मेदारी दी जा सकती है। राथर की जगह मुबारक गुल को नया विधानसभा अध्यक्ष बनाए



जाने की संभावना है। इनके अलावा कैबिनेट में शामिल होने वाले कश्मीर के जिन विधायकों का नाम सबसे ऊपर है उनमें सलमान सागर, नजीर गुरेजी, हिलाल अकबर लोन समेत तनवीर सादिक शामिल हैं। जम्मू संभाग से दो नए चेहरे कैबिनेट में शामिल किए जा सकते हैं। इनमें पुंछ से एजाज अहमद जान और रामबन से अर्जुन सिंह राजू के नामों पर सबसे ज्यादा विचार चल रहा है। वहीं, कठुआ जिले की बनी विधानसभा सीट से निर्दलीय विधायक डॉ. रामेश्वर सिंह को भी मंत्री पद की जिम्मेदारी मिलने की पूरी संभावना जताई जा रही है।

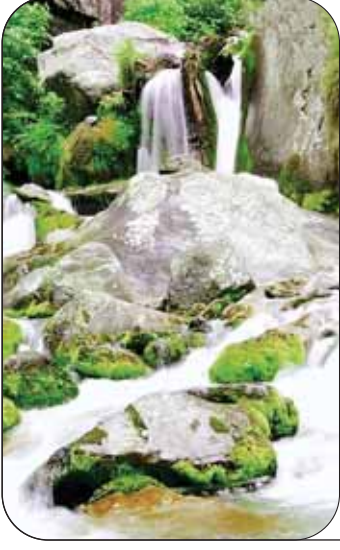
मेट्रो एंकर

हिमालय के दुर्गम क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध करवाने के लिए आईआईटी मंडी की तकनीक

मंडी। एजेंसी

हिमालय के दुर्गम क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मंडी एक महत्वपूर्ण शोध परियोजना पर काम कर रहा है। इस परियोजना के तहत सूरज के प्रकाश और फोटो-इलेक्ट्रोकेमिकल तकनीक की मदद से हिमालयी प्राकृतिक जलस्रोतों, झरनों के पानी को शुद्ध करने वाली प्रणाली विकसित की जाएगी। इसका उद्देश्य पहाड़ी क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को कम लागत पर स्वच्छ पानी उपलब्ध कराने के लिए एक प्रभावी और टिकाऊ विकल्प तैयार करना है। इस तकनीक में फोटो-इलेक्ट्रोकेमिकल प्रक्रिया का इस्तेमाल किया जाएगा। इसमें प्रकाश-संवेदी सामग्री और विद्युत-रासायनिक प्रक्रियाओं के माध्यम से हानिकारक प्रदूषकों को हटाया जाएगा। शोध में ऐसी प्रणाली विकसित करने पर जोर है, जो पानी में

मौजूद सूक्ष्म जीवों और हानिकारक कार्बनिक पदार्थों के निष्कासन में मदद कर सके। इस शोध की खास बात यह है कि इसमें सौर ऊर्जा के उपयोग पर जोर दिया गया है। हिमालय के कई दूरस्थ गांवों में बिजली और आधुनिक जल शुद्धिकरण सुविधाओं की उपलब्धता सीमित है। ऐसे में सौर ऊर्जा आधारित तकनीक भविष्य में इन क्षेत्रों के लिए उपयोगी साबित होगी। शोध के शुरुआती चरण में मंडी के कटौला, घोड़ा फार्म और स्कूल बाजार स्थित तीन प्राकृतिक जलस्रोतों से पानी के नमूने लेकर उनकी गुणवत्ता और उनमें मौजूद सूक्ष्मजीवों की जांच की गई है। इसके आधार पर सौर ऊर्जा आधारित जल शुद्धिकरण प्रणाली विकसित करने की दिशा में काम किया जा रहा है। प्रस्तावित प्रणाली का पहले प्रयोगशाला में परीक्षण किया जाएगा और इसके बाद आईआईटी मंडी परिसर के आसपास स्थित झरनों पर प्रभावशीलता परखी जाएगी।



दूरदराज के गांवों के लिए उपयोगी होगी तकनीक

हिमालयी क्षेत्रों में प्राकृतिक झरने लंबे समय से पेयजल के प्रमुख स्रोत रहे हैं। हालांकि, प्राकृतिक जलस्रोतों का पानी हमेशा पीने के लिए सुरक्षित हो, यह जरूरी नहीं है। इसलिए पानी को पीने योग्य बनाने के लिए प्रभावी शुद्धिकरण व्यवस्था जरूरी है। प्रस्तावित शोध में छोटे स्तर पर काम करने वाली और निरंतर प्रवाह वाली जल शुद्धिकरण प्रणाली विकसित करने की योजना है। यदि यह तकनीक सफल रहती है, तो इसका इस्तेमाल उन क्षेत्रों में किया जा सकता है, जहां पारंपरिक जल शुद्धिकरण सुविधाएं स्थापित करना मुश्किल या महंगा है। शोध कार्य जारी है। उम्मीद है कि जल्द सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे।

यह परियोजना ग्रामी शोध और विकास की निर्धारित अवधि में है। इसलिए इसके वास्तविक प्रदर्शन, लागत, शुद्धिकरण क्षमता और बड़े स्तर पर उपयोग की संभावनाओं का आकलन शोध के परिणामों के आधार पर ही किया जा सकेगा।

- डॉ. प्रेम फैलिक्स सिरिल, आईआईटी मंडी के प्रोफेसर